संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 14
पृष्ठ 8
मंगलवार
29 सितम्बर 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शिशु को बार-बार बनती है...
विचार- चुनाव आयोग में एकतरफा फैसलों...
खेल- टीम इंडिया की जीत ही मुख्य लक्ष्य...

सीएम योगी ने 1375 वीडीओ को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले-

10 साल पहले बिना पैसे नौकरी पाना संभव नहीं था

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरकारी नौकरियों और गांवों के विकास को लेकर समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने नौजवानों के हक पर डकैती डाली, पिछड़ों-दलितों को योजनाओं से वंचित किया, नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, जिनके लिए विकास का मतलब सिर्फ सैफई था, वही आज नए स्वरूप में नए स्लोगन के साथ गिरगिट की तरह रंग बदलते दिख रहे हैं। इनसे सावधान रहना है। यह भ्रम पैदा कर राज्य को अराजकता की तरफ धकेलने की साजिश करेंगे। सीएम ने सपा-कांग्रेस को चुनौती देते

हुए कहा कि छह महीने में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का हमारा लक्ष्य है। वे गिनते रहें, हम नियुक्ति पत्र वितरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 1,375 ग्राम पंचायत अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 11 नवचयनितों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि मैंने 15 सितंबर के आसपास कहा था कि हर सप्ताह नियुक्ति पत्र वितरण करेंगे और छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देंगे। 20 सितंबर से यह चौथी नियुक्ति पत्र प्रक्रिया संपन्न हुई। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से फिर नियुक्ति पत्र वितरण होगा। यूपीएसएसएससी द्वारा आयोजित कराई गई परीक्षा में 1375 युवाओं का चयन हुआ है। नियुक्ति पत्र पाकर सभी के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ। इसमें मंत्री ओम प्रकाश राजभर, मंत्री सूर्य प्रताप शाही, विधायक नीरज बोरा, एमएलसी रामचंद्र प्रधान, विधायक अमरेश, विधायक जयदेवी, महेंद्र सिंह और लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला: 7वीं-8वीं की तरह छठी में भी तीसरी भाषा पर राहत

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को निर्देश दिया कि तीन-भाषा व्यवस्था के तहत छठी कक्षा के छात्रों को भी वही राहत दी जाए, जो अभी सातवीं कक्षा के छात्रों को मिल रही है। यह मामला सीबीएसई की तीन-भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। अदालत ने कहा कि छठी कक्षा के छात्रों को भी तीसरी भाषा के मूल्यांकन में सातवीं कक्षा के छात्रों के लिए दी गई छूट का लाभ दिया जाए। अदालत के आदेश का सबसे अहम हिस्सा तीसरी भाषा के मूल्यांकन से जुड़ा है। अभी सातवीं, आठवीं और नौवीं कक्षा

के छात्रों को संक्रमणकालीन राहत दी गई है। इसके तहत जब वे दसवीं कक्षा में पहुंचेंगे, तो तीसरी भाषा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक रूप से किया जाएगा। इसका दसवीं कक्षा के बोर्ड परिणाम पर पास या फेल होने का असर नहीं होगा। अब यही राहत छठी कक्षा के छात्रों को भी दी गई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि छठी कक्षा के छात्रों को सातवीं कक्षा के छात्रों को दी गई वही छूट दी जाए। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान संकेत दिया, पास या फेल नहीं होगा। केवल उपस्थिति प्रमाणपत्र होगा। सुनवाई की शुरुआत में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि छठी कक्षा के छात्रों को मौजूदा शैक्षणिक वर्ष से ही इस व्यवस्था में शामिल करने को लेकर सरकार अदालत को इसके पक्ष में समझाने का प्रयास करेगी। उन्होंने बताया कि कुल 28,819 स्कूलों में से करीब 1.2 प्रतिशत स्कूलों को छोड़कर बाकी स्कूल व्यवस्था के अनुरूप हैं। उनके अनुसार किताबें और अध्ययन सामग्री उपलब्ध हैं और छात्रों ने इस व्यवस्था को अपनाया है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत को बताया कि सातवीं, आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों को पहले ही संक्रमणकालीन राहत दी जा चुकी है। इसके तहत दसवीं कक्षा में तीसरी भाषा की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी।

याचिकाकर्ताओं ने क्या आपत्ति जताई?

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि छात्रों ने इस व्यवस्था का पालन इसलिए किया, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में पाठ्यपुस्तकें ऑनलाइन उपलब्ध नहीं थीं।

लता मंगेशकर जयंती: प्रधानमंत्री मोदी ने स्वर कोकिला को किया नमन, बोले- उनका योगदान युग-युगांतर तक याद रहेगा

मुंबई,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सोमवार को मशहूर गायिका लता मंगेशकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय संगीत की दुनिया में उनका अतुलनीय योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए यादगार रहेगा। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए दिवंगत गायिका को नमन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी ने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा किया है। उन्होंने दिवंगत गायिका लता मंगेशकर की जयंती पर उन्हें याद करते हुए लिखा है, श्अपनी दिव्य गायन प्रतिभा से विश्व में देश का नाम रोशन करने वालीं आदरणीया लता दीदी को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने भारतवर्ष को न केवल अपने सुमधुर सुरों से सजाया-संवारा, बल्कि देश की समृद्धि से जुड़ी हर पहल को भी सदैव प्रोत्साहित किया। भारतीय संगीत जगत में उनका अप्रतिम योगदान युग-युगांतर तक स्मरणीय रहेगा। लता मंगेशकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बेहद आत्मीय रिश्ता था। लता दीदी, प्रधानमंत्री मोदी का अपना भाई मानती थीं। प्रधानमंत्री को लता श्नरेंद्र भाईश कहकर पुकारती थीं। साथ ही हर साल रक्षाबंधन पर उन्हें राखी भेजा करती थीं।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश ने मचाया कहर, 60 से ज्यादा मौतें

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने पूरे प्रदेश में तबाही का मंजर पैदा कर दिया है। तेज बारिश, आंधी और बाढ़ के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। अलग-अलग घटनाओं में 60 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। एक हजार से अधिक मकानों के क्षतिग्रस्त होने और हजारों परिवारों के प्रभावित होने की सूचना है। कई जिलों में सड़कें, गलियां और गांव पानी में डूब गए हैं, जबकि नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। राज्य के राहत आयुक्त कार्यालय के शुरुआती आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अतिवृष्टि और आंधी-तूफान से 56 लोगों की मौत, 46 लोगों के घायल होने, 107 पशुओं की मौत और 1,021 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना थी। बाद के अपडेट में मृतकों की संख्या 62 तक पहुंचने की खबर सामने आई। ऐसे में बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मृतकों की संख्या 60 के पार पहुंच चुकी है। हम आपको बता दें कि प्रदेश के 75 जिलों में से 56 जिलों में सामान्य से अत्यधिक बारिश दर्ज की गई। महज 1.8 मिलीमीटर की सामान्य दैनिक बारिश के मुकाबले 24 घंटे में प्रदेश में 45.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पिछले 60 घंटों में बारिश सामान्य से लगभग 775 प्रतिशत अधिक रही। फर्रुखाबाद में सामान्य से 7,385 प्रतिशत, कन्नौज में 5,664 प्रतिशत, शाहजहांपुर में 4,408 प्रतिशत, हमीरपुर में 4,240 प्रतिशत और महोबा में 4,100 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। हम आपको बता दें कि कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, बांदा, औरैया, महोबा, फर्रुखाबाद, बाराबंकी, कुशीनगर और कई अन्य जिलों में हालात बेहद खराब हैं। कानपुर में कच्चे मकानों के गिरने और नदी-नालों में डूबने की घटनाएं सामने आई हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बार-बार हो रहे यौन अपराधों पर उच्चतम न्यायालय ने लिया स्वत: संज्ञान

नयी दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में हाल ही में हुए बलात्कार के कई मामलों पर सोमवार को स्वत: संज्ञान लिया, जिनमें एक पार्क में महिला के साथ हुआ सामूहिक बलात्कार और दिल्ली में चलती बस में नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न का मामला शामिल है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने बार-बार हो रही इन घटनाओं पर गहरा दुख व्यक्त किया और सवाल उठाया कि क्या 2012 के निर्भया मामले के बाद से कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने कोई सार्थक प्रगति की है। पीठ ने बस की घटना का जिक्र करते कहा कि ऐसे मामले बुनियादी सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में कानून लागू करने वाली एजेंसियों और सार्वजनिक अधिकारियों की प्रणालीगत विफलता को उजागर करते हैं।

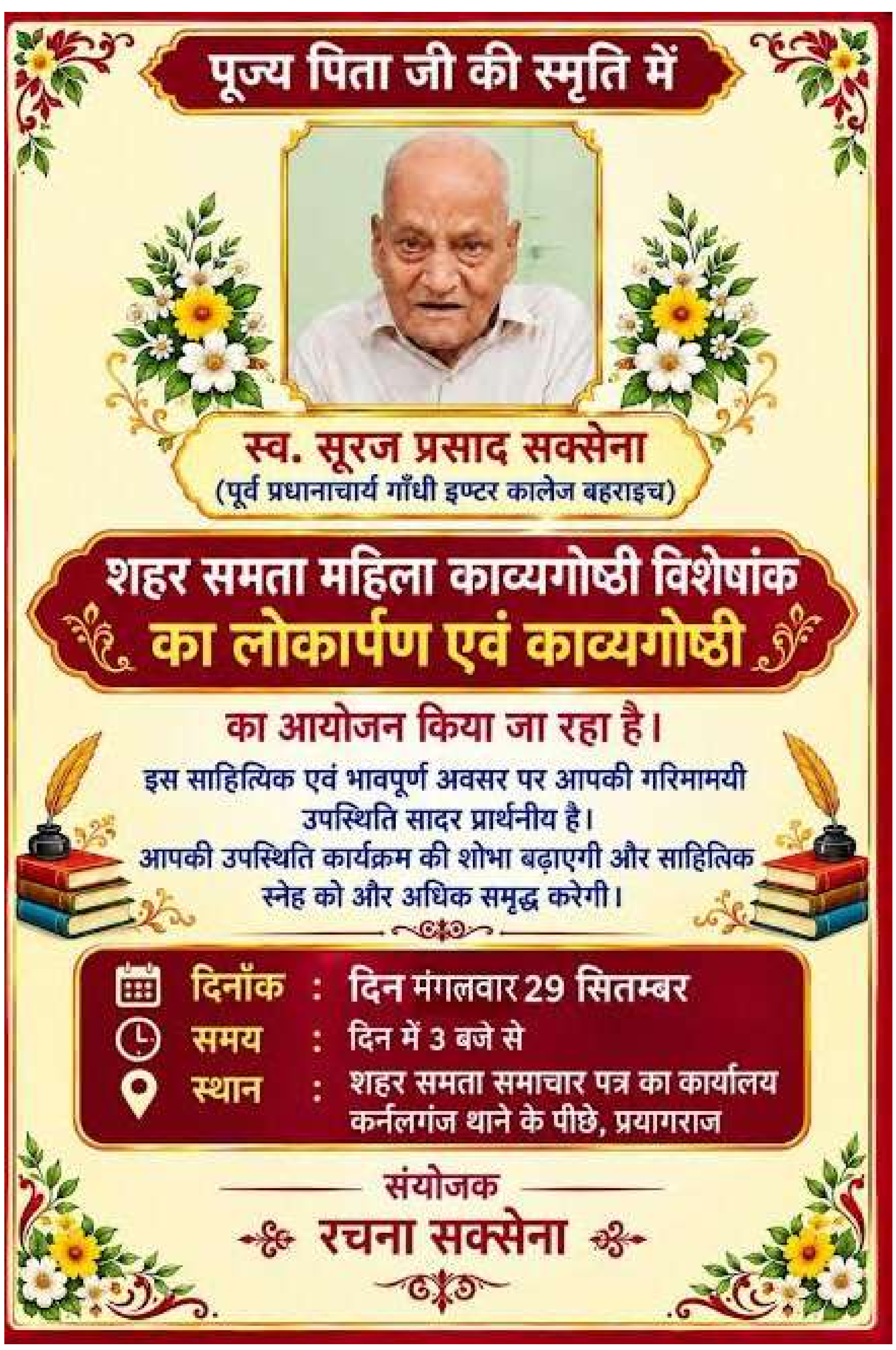

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन से गिराई हेरोइन, बीएसएफ जवानों ने की बरामद

श्रीगंगानगर,एजेंसी। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के श्रीकरणपुर सीमा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक बार फिर सीमा पार से ड्रोन से हेरोइन गिरायी गयी जिसे सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने बरामद कर तस्करी की कोशिश नाकाम कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के दल को सोमवार सुबह एक खेत में संदिग्ध पैकेट मिला, जिसमें करीब 810 ग्राम हेरोइन निकली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये आंकी गई है। बीएसएफ के सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र में कंपनी कमांडर रमेशकुमार को चक 13-एसबी में एक संदिग्ध पैकेट पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में बीएसएफ का दल मौके पर पहुंचा और पैकेट को कब्जे में ले लिया। जांच में पैकेट में करीब 810 ग्राम हेरोइन पाई गई। इसके बाद बीएसएफ ने स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी।

बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि पैकेट पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिए खेत में गिराया गया था। श्रीकरणपुर क्षेत्र में पिछले कुछ समय से ऐसे मामले बार-बार सामने आ रहे हैं, जहां तस्कर ड्रोन से नशीले पदार्थ गिराते हैं और भारतीय तरफ से लोग उन्हें उठाने पहुंचते हैं। पिछले छह महीनों में इस क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये से भी ज्यादा मूल्य की हेरोइन और अन्य मादक पदार्थ जब्त किये जा चुके हैं। बीएसएफ के अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तानी तस्कर लगातार ड्रोन का इस्तेमाल करके छोटे-छोटे पैकेट गिरा रहे हैं, ताकि पकड़े जाने का जोखिम कम रहे। बीएसएफ की 118वीं वाहिनी के कमांडेंट कमलसिंह राठौड़ के नेतृत्व में सीमा क्षेत्र में निगरानी और सतर्कता बढ़ाई गई है।

चुनाव आयोग विवाद पर गंभीरता से लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : खरगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि चुनाव आयोग से जुड़े विवाद पर पार्टी गंभीरता से लड़ाई लड़ेगी और इस मुद्दे

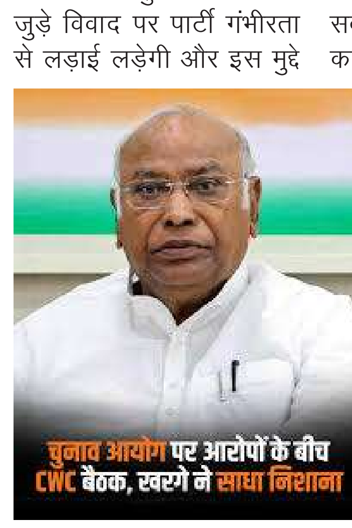

पर आगे की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार को यहां पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाई गई है। श्री खरगे ने सोमवार को पत्रकारों से कहा कि बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होगी और कार्य समिति के सभी सदस्य अपने सुझाव देंगे। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा पूरे देश, लोकतंत्र के अस्तित्व और देश के भविष्य से जुड़ा है, इसलिए कांग्रेस इसको लेकर बेहद गंभीर है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के अपने लोगों ने ही उसे लेकर सवाल उठाये हैं। उन्होंने दावा किया कि केरल के पूर्व मुख्य सचिव ने भी कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने उनसे चुनाव लड़ने को कहा था। इस खुलासे से पता चलता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त भाजपा की विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं और भाजपा कार्यकर्ता बन गये हैं।

विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का ग्यारहवीं स्थापना दिवस तथा हिंदी दिवस समारोह दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ संपन्न

कार्यक्रम में दस प्रचारक को एकमुश्त मानदेय और 30 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी को छात्रवृत्ति प्रदान

विभिन्न प्रतियोगिताएं के विजेता को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार से सम्मानित

विश्वनाथ, असम। केंद्रीय हिंदी निदेशालय , शिक्षा मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्राप्त असम के अग्रणी हिंदी स्वैच्छिक संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ 26 तथा 27 सितंबर को अपना ग्यारहवीं स्थापना दिवस तथा हिंदी दिवस समारोह धूमधाम से मनाया।संस्थान के प्रांगण में आयोजित प्रथम दिवस सुबह 8 बजे कार्यकरी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे ने ध्वजारोहण किया। दोपहर 1 बजे से चित्रांकन प्रतियोगिता तीन शाखा में ,कविता

आवृत्ति प्रतियोगिता तीन शाखा में, भाषण प्रतियोगिता तीन शाखा में और प्रश्नोंत्तरी प्रतियोगिता तीन शाखा में आयोजित हुई , जिसमें जिले के कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय , ऑरियन्ट फ्लावर सीनियर सेकेंडरी स्कूल , सेंट जेवियर्स स्कूल ,चारिआलि आदर्श विद्यापीठ , जवाहर नवोदय विद्यालय के असंख्य विद्यार्थी प्रतिभाग किए। दूसरे दिन 12 बजे दोपहर मूल सभा का आयोजन किया गया।कार्यकरी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे की अध्यक्षता में सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा की संचालन की ।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के फोटो के समीप मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित तेजपुर विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ. अनुशब्द ने दीप प्रज्वलित कर और दीप मंत्रोच्चारण से हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वनाथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ चिंतामणि शर्मा , विशिष्ट अतिथि जवाहर नवोदय विद्यालय, विश्वनाथ के प्राचार्य राजेश कुमार वर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार हरि लुइँटेल , संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। सचिव संतोष कुमार महतो ने सभा की उद्देश्य व्याख्या के साथ स्वागत भाषण दी । मुख्य वक्ता डॉ.अनुशब्द ने संस्थान के 10 वर्ष में हुए गतिविधियों की सराहना के साथ "हिंदी भाषा के अतीत, वर्तमान और भविष्य में रोजगार के अवसर " पर सारगर्भित व्याख्यान दी। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ.चिंतामणि शर्मा , विशिष्ट अतिथि राजेश कुमार वर्मा, हरि लुइँटेल, संस्थान के उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने हिंदी भाषा को राष्ट्र एकता की कड़ी जोड़ते हुए संस्थान द्वारा हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए कार्य की साधुवाद दी। तत्पश्चात स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतियोगिता के विजेता को प्रशस्ति पत्र ,भारत माता का फोटो और पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि के कर कमलों से संस्थान के विभिन्न शिक्षण केन्द्र में कार्यरत प्रचारक गायत्री कलवार , राहूल मिश्रा , सैयदा आनोवारा खातुन , ऊषा साहू ,गायित्री गुप्ता, मनीषा पाल, सत्य प्रकाश गुप्ता आदि को वित्तीय वर्ष 25–26 का एकमुश्त मानदेय और संस्थान के तीस अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी को छात्रवृत्ति प्रदान की गई ।इस मौके पर स्थानीय कवि सुरेन्द्र कुमार सहंनी ने स्वरचित कविता पाठ की और सभा की गरिमा बढ़ाई। सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे ने संस्थान की ग्यारहवीं स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए संस्थान की भविष्य कार्य में सभी की सहाय–सहयोग की कामना की। अंत में सचिव महतो ने आभार प्रकट की और राष्ट्रगान से सभा भंग हुई ।इस मौके पर कोषाध्यक्ष छेदीलाल कुर्मी, सांस्कृतिक सचिव गीता वर्मा, सह सांस्कृतिक सचिव रवींद्र नाथ गुप्ता, सह सचिव मनीषा पाल ,सह सचिव सत्यप्रकाश गुप्ता , सलाहकार सुरेंद्र कुमार सहनी, शिक्षक राम कलवार ,शिक्षक सुजीत कुमार शर्मा,सदस्या वंदना दास , जवाहर नवोदय विद्यालय विश्वनाथ के हिंदी शिक्षक ओमप्रकाश यादव, प्रचारक –प्रचारिका , हिंदी प्रेमी रूमा दास ,असंख्य विद्यार्थी और अभिभावक मौजूद थे।

हवा हुई मंद, थमी बारिश, निकली धूप, चढ़ने लगा पारा

प्रयागराज। पश्चिमी बंगाल के चक्रवात का असर तीन दिनों बाद कम हो गया। इस दौरान 40 से 45 किलोमीटर की रफ्तार से चल रही हवाएं मंद पड़ गईं। बारिश भी थम गई। रविवार को पूरे दिन धूप–छांव की आंख मिचौली चलती रही। वहीं, 24 घंटे के भीतर तापमान में 1.8 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी देखने को मिली। रविवार को सुबह से ही हवाओं की रफ्तार घटकर 20 किलोमीटर प्रतिघंटे के करीब पहुंच गई। वहीं, आसमान में बादलों का जमावड़ा देखने को मिला। बीच–बीच में धूप भी निकलती रही। हालांकि, लगातार तीन दिनों की बारिश के चलते न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। जिसके चलते रविवार शाम के समय मौसम में हल्की ठंड की सिरहन महसूस की गई।

मौसम विभाग ने तीन अक्तूबर तक मौसम सामान्य रहने की संभावना जताई है। इसके अलावा अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में बढ़ोतरी होने के बावजूद आर्द्रता में गिरावट आएगी। जिसकी वजह से उमस भरी गर्मी से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी।

सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, धूप निकलेगी। –डॉ. शैलेंद्र राय, मौसम विशेषज्ञ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

चुनावी हार से हताश कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को बना रही निशाना, भाजपा ने किया पलटवार

प्रयागराज। चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों को लेकर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि लगातार चुनावी पराजय से कांग्रेस नेतृत्व हताश है और अपनी राजनीतिक विफलताओं का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ रहा है।

चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस की ओर से उठाए जा रहे सवालों को लेकर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि लगातार चुनावी पराजय से कांग्रेस नेतृत्व हताश है और अपनी राजनीतिक विफलताओं का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ रहा है। सिविल लाइंस स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि जनादेश को स्वीकार करने के बजाय चुनाव हारने पर निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाना कांग्रेस की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा नेताओं ने 26 सितंबर को निर्वाचन आयोग की ओर से जारी संयुक्त वक्तव्य का हवाला देते हुए कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश

कुमार और निर्वाचन आयुक्त डॉ. एसएस संधू व विवेक जोशी के स्पष्टीकरण से विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो गई है।

एसआईआर के फैसले पर भाजपा ने दी सफाई

भाजपा ने कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) समेत निर्वाचन आयोग के प्रमुख निर्णय तीनों निर्वाचन आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं। पार्टी नेताओं ने सर्वोच्च न्यायालय के 27 मई 2026 के निर्णय का भी उल्लेख किया और कहा कि एसआईआर को लेकर आयोग की प्रक्रिया पर न्यायिक स्तर पर भी स्थिति स्पष्ट हो चुकी है।

कैबिनेट सचिव के पत्र को बताया प्रशासनिक मामला

भाजपा नेताओं ने कैबिनेट सचिव के पत्र को लेकर कहा कि इसका ͏ ͏या किसी नीतिगत निर्णय से संबंध नहीं था। उनके अनुसार यह एक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति से संबंधित प्रशासनिक विषय था। भाजपा ने आरोप लगाया कि इस प्रशासनिक पत्र को राजनीतिक विवाद का रूप देने का प्रयास किया गया।

फॉर्म–6 और मीडिया रिपोर्ट का भी किया जिक्र

प्रेस वार्ता में भाजपा नेताओं ने एक समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट का भी उल्लेख किया। उन्होंने रिपोर्ट को तथ्यहीन बताते हुए कहा कि फार्म–छह के घोषणापत्र को लेकर भी सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का हवाला दिया गया है। भाजपा के अनुसार निर्वाचन आयोग निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को अद्यतन करने का कार्य कर रहा है।

श्रमिकों और वंचित लोगों के लिए विशेष शिविर

भाजपा नेताओं ने कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य पात्र मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित होने से बचाना है। इसके लिए श्रमिकों, बेघर लोगों और मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा पाने वाले पात्र नागरिकों के लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी और विपक्ष पर संस्थाओं को लेकर निशाना

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह ने राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन पर राजनीतिक लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने पूर्व में दिए गए राजनीतिक बयानों का उल्लेख करते हुए 'चौकीदार चोर है' टिप्पणी के मामले में सर्वोच्च न्यायालय में माफी, विदेशों में भारतीय न्यायपालिका को लेकर दिए गए बयानों तथा सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और तवांग की घटना से जुड़े वक्तव्यों का जिक्र किया।

भाजपा नेताओं ने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद कांग्रेस नेतृत्व को अपने आरोपों पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लगाए गए आरोपों को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। पत्रकार वार्ता में जिला अध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, जमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी गंगापार उमेश तिवारी, महानगर मीडिया प्रभारी पवन श्रीवास्तव और विवेक मिश्रा समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, जनादेश का अपमान कर रहा चुनाव आयोग

प्रयागराज। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेसियों ने बालसन चौराहे पर प्रदर्शन किया। सांसद उज्ज्वल रमण सिंह के नेतृत्व में नेताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग की।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेसियों ने बालसन चौराहे पर प्रदर्शन किया। सांसद उज्ज्वल रमण सिंह के नेतृत्व में नेताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग की।

सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग लगातार जनादेश का अपमान कर रहा है। कांग्रेस हरियाणा में भी चुनाव जीती, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी चुनाव जीती, लेकिन चुनाव आयोग ने जनादेश का अपमान करते हुए ईवीएम में गड़बड़ी करके चुनाव हरा दिया।

उन्होंने कहा कि ऐसे चुनाव आयुक्त को पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है। न्यायपालिका को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। जब तक ज्ञानेश कुमार को हटाया नहीं जाता, तब तक कांग्रेस का प्रदर्शन जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि आम आदमी भी यह समझ गया है कि चुनाव आयोग निष्पक्षता से काम नहीं कर रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर आज पूरे देश और प्रदेश समेत सभी जिला मुख्यालयों पर चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया जा रहा है।

लावारिस कुत्तों का आतंक, हर महीने 10 हजार लोग शिकार

प्रयागराज। शहर में लावारिस कुत्तों ने लोगों का राह चलना कठिन कर दिया है। रात के समय कुत्ते लोगों को दौड़ाकर काट रहे हैं। राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार, हर महीने लगभग 10 हजार लोग लावारिस कुत्तों के काटने का शिकार हो रहे हैं।

नगर निगम कुत्तों का स्टरलाइजेशन (नसबंदी) और एंटी–रेबीज वैक्सीनेशन कर रहा है। हालांकि, सेल्टर होम न होने से कुत्तों को शहर से हटाया नहीं जा सका है। इससे कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रत्येक मोहल्ले में 500 से अधिक कुत्ते होने का अनुमान है। शहर दक्षिणी व पश्चिमी में काटने की घटनाएं अधिक हैं। आजाद स्क्वायर, रामबाग, सिविल लाइंस जैसे कई प्रमुख इलाकों में रोजाना सैकड़ों लोगों को कुत्ते काट रहे हैं। इस साल जनवरी से अगस्त तक करीब 80 लोगों को कुत्तों ने काटा है। इनमें 58 हजार आवारा कुत्ते और 22 हजार पालतू कुत्ते शामिल हैं। कुत्तों के स्टरलाइजेशन और एंटी–रेबीज वैक्सीनेशन पर हर साल करीब 80 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। यह काम पैरावेट द केयर ऑफ एनिमल एंड सोसाइटी कर रही है। नगर निगम के पास कुत्तों को पकड़ने के लिए दो वाहन हैं। फाफामऊ में सेल्टर होम बनाने की तैयारी है, जिसके लिए भूमि चिह्नित हो चुकी है। इसका डीपीआर शासन को भेजा जा चुका है। कुत्ते अगर गाड़ी के पीछे भागते हैं, तो हड़बड़ाने और भागने की जरूरत नहीं है। क्योंकि जितना भागेंगे और घबराएंगे कुत्ता उतना ज्यादा काटने का प्रयास करेगा। –डॉ. सीपी सिंह कुशवाहा, पशु रोग विशेषज्ञ।

नगर निगम की तरफ से लगातार कुत्तों की नसबंदी और एंटी–रेबीज वैक्सीनेशन लगाने का काम चल रहा है। फाफामऊ में सेल्टर होम खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। जिसके लिए जमीन भी चिह्नित हो गई है। शासन से मंजूरी मिलते ही इस दिशा में काम किया जाएगा। –बिजय अमृत राज, पशुधन चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी, नगर निगम।

वर्तमान में कुत्ते काटने के मामले में इजाफा हुआ है। जिसे देखते हुए सभी सीएचसी, पीएचसी सहित कॉल्विन व बेली में पर्याप्त मात्रा में एंटी रैबीज का इंजेक्शन उपलब्ध है। –डॉ. अभिषेक सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी

ईदगाह के पास तालाब के पास लगाया गया चेतावनी बोर्ड

प्रयागराज। आजमपुर स्थित ऐतिहासिक ईदगाह के सामने पक्के तालाब में लगातार डूबने की घटनाओं के बाद चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। इन घटनाओं में पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोगों को बचाया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष शोएब अंसारी व सभासद शकील अहमद अंसारी की पहल पर यह कार्य हुआ। पुलिस ने भी बच्चों को तालाब से दूर रखने की अपील की है। जून 2022 से मई 2025 तक मोहम्मद कैफ, मोहम्मद मैहन, मोनिस उर्फ कैफ, जीशान, मोहम्मद मुदस्सिर और मोहम्मद आतिफ समेत कई बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हुई है। कई लोग तैराकी न जानने पर भी तालाब में नहाने चले जाते हैं। अध्यक्ष शोएब अंसारी ने क्षेत्र के लोगों से बच्चों को तालाब से दूर रखने की अपील की है।

झलवा में एक करोड़ की कोडीनयुक्त कफ सिरप पकड़ी, तीन गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज के झलवा में एसटीएफ और एयरपोर्ट पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर करीब एक करोड़ रुपये की कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद की। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। झलवा में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और एयरपोर्ट पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब एक करोड़ रुपये कीमत की प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ कर कफ सिरप के सप्लाई नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

संयुक्त टीम को कोडीनयुक्त कफ सिरप की बड़ी खेप के बारे में सूचना मिली थी। इसके आधार पर एसटीएफ की टीम ने एयरपोर्ट थाना पुलिस के साथ रविवार शाम करीब सात बजे झलवा में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान टीम ने तीन आरोपियों को पकड़ लिया और उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में कफ सिरप बरामद की। बरामद कफ सिरप की कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी बरामदगी की मात्रा और आरोपियों के नाम की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, मामले का विस्तृत खुलासा सोमवार को किया जा सकता है। एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि कोडीनयुक्त कफ सिरप की खेप दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ से प्रयागराज लाई जाती थी। यहां शहर में अलग–अलग ठिकानों पर इसे स्टोर करने के बाद अन्य राज्यों में भेजे जाने की बात सामने आई है। पूछताछ में सामने आया कि कोडीनयुक्त कफ सिरप को प्रयागराज के मेडिकल स्टोरों पर सप्लाई किए जाने की तैयारी थी। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े कारोबारियों और उन ठिकानों की भी पड़ताल कर रही है, जहां सिरप की सप्लाई की जानी थी। एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। मामले में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भाजपाइयों ने देश के विकास में योगदान का लिया संकल्प

प्रयागराज। मऊआइमा ग्रामीण मंडल में भाजपा गंगापार जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान के नेतृत्व में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का प्रसारण सुना गया। बूथ संख्या 5 पर युवराज सिंह के आवास और बूथ संख्या 36 पर आकाश शर्मा के आवास पर कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक एकत्र हुए। प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों और राष्ट्रहित के संदेशों को सुनकर कार्यकर्ताओं ने देश के विकास में योगदान का संकल्प लिया। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, शंभू नाथ पटेल, राम पलट पटेल, मिठाई लाल गौतम, विजय सिंह, राज कुमार गुप्ता आदि रहे। इधर, करछना में भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल की मन की बात कार्यक्रम को सुना। मौके पर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, प्रदीप पांडेय, आनंद तिवारी, हरिकृष्ण पांडेय आदि रहे।

भाजपा यमुनापार के मन की बात जिला संयोजक दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने रविवार को बूथ संख्या 296 पर कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का श्मन की बातश् कार्यक्रम सुना। प्रधानमंत्री ने युवाओं को नशे से दूर रहने और सकारात्मक दिशा में बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का संकल्प दोहराया।

प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमणों का भी उल्लेख किया। उन्होंने देशवासियों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं दीं। दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि मन की बात राष्ट्रसेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने वाला संवाद है। मौके पर किसान मोर्चा जिला मंत्री वीरेन्द्र सिंह पटेल, सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी, अनिल चतुर्वेदी, इन्द्रसेन सिंह, लाला केसरवानी, विजय, राहुल आदि रहे।

कहानी पाठ का आयोजन

प्रयागराजस प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय नैनी, प्रयागराज में हिंदी विभाग के तत्वावधान में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा महोत्सव का आयोजन 14सितंबर से 29सितंबर तक प्रस्तावित है, जिसके अंतर्गत आज कहानी पाठ का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती रचना त्रिपाठी (वरिष्ठ साहित्यकार एवं डॉ सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी (वित्ताधिकारी

चैन्) जी रहे। स्वागत वक्तव्य देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि जीवन को बदलने में छोटी छोटी कहानियों का बहुत योगदान होता है। हमारे बीच में साहित्यकार उपस्थित हैं जो समान को बदलने में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रही हैं। डॉ सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी ने कहा कि रचना जी की पढ़ाई अन्य विषय में हुए है वह हिंदी की विद्यार्थी नहीं हैं, इसके बावजूद वह अपने लेखन के माध्यम से साहित्य की दुनिया में स्थापित हुई। छोटे छोटे ब्लॉग के माध्यम से दैनंदिन जीवन में घट रही घटनाओं को रोचक पूर्ण ढंग से कहानी के रूप में वह व्यक्त करती हैं। रचना त्रिपाठी ने अपनी कहानी ' दहिजरा करोना' एवं हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ अलका मिश्रा ने अपनी कहानी 'एक सितारा तेरा भी' का पाठ किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सोनल सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शोधार्थी प्रियंका त्रिपाठी ने ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ अजीत सिंह, डॉ बबलू यादव, शोधार्थी किसलय सिंह, प्रियंका त्रिपाठी, कोमल यादव, राहुल यादव एवं भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शहर समता विचार मंच की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी पितृपक्ष के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

''प्रयागराज।'' शहर समता विचार मंच के तत्वावधान में पितृपक्ष के उपलक्ष्य में ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। गोष्ठी की

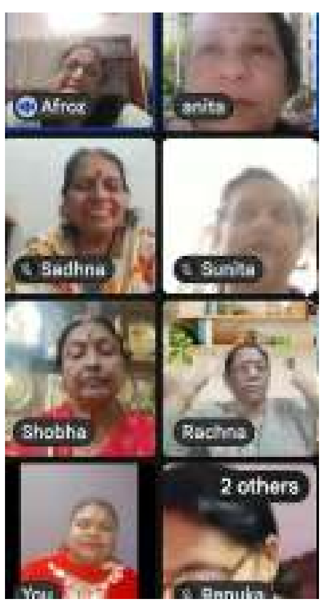

अध्यक्षता रचना सक्सेना ने की तथा उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। साधना शुक्ला ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं कुशल संचालन उमा मिश्रा 'प्रीति' ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रतिमा दीवान, अनीता दुबे, अफ़रोज़ अज़ीज़, सुनीता गुप्ता, शोभा त्रिपाठी, मल्लिका डे विष्णु, रेणुका पटेल एवं छाया सक्सेना 'प्रभु' ने पितृपक्ष से संबंधित अपनी सुंदर एवं भावपूर्ण रचनाओं की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष रचना सक्सेना के पिताजी के निधन पर उमा मिश्रा 'प्रीति' के नेतृत्व में सभी उपस्थित साहित्यकारों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। अंत में उमा मिश्रा 'प्रीति' ने सभी अतिथियों एवं साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

साझा संकलन 'फिर से याद तुम्हारी आई' का विमोचन

कानपुर। हिन्दी पखवाड़े के समापन अवसर पर साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'वाणी' के तत्वावधान में साझा काव्य–संकलन 'फिर से याद तुम्हारी आई' का विमोचन समारोह सरस्वती ज्ञान मंदिर इंटर कॉलेज, आजादनगर, नवाबगंज में आयोजित किया गया। संकलन का संपादन दया शंकर मिश्र एवं मल्लिका द्विवेदी ने किया है। समारोह की अध्यक्षता आचार्य रमाकांत शुक्ल दण्डी स्वामी एवं संचालन मल्लिका द्विवेदी 'अमिता' ने किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की निदेशक प्रो. सीमा परोहा तथा विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डॉ. विनोद त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप चित्रांशी और विद्यालय के प्रबंधक एवं समाजसेवी अमित अग्रवाल रहे। मुख्य

अतिथि प्रो. सीमा परोहा ने कहा कि कविता मानव जीवन में रस का संचार करती है और विषम परिस्थितियों का सामना करने का साहस देती है। अमित अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न जनपदों के रचनाकारों का एक मंच पर जुटना इस आयोजन की विशेषता है। डॉ. प्रदीप चित्रांशी ने कहा कि कानपुर में साहित्यकारों का इस प्रकार एकत्र होना साहित्य के संगम जैसा अनुभव है। डॉ. विनोद त्रिपाठी ने संकलन को विविध रसों से परिपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसे सामूहिक साहित्यिक प्रयास हिन्दी साहित्य को समृद्ध करते हैं। इस अवसर पर संकलन में शामिल उपस्थित रचनाकारों को संस्था की ओर से सम्मानित किया गया। संतोष प्रीत,विद्याशंकर अवस्थी,आनंद कृष्ण 'मासूम', राम जतन पाल, सुनीता तिवारी, सीमा अग्रवाल, सीमा वर्णिका, संत कुमार दीक्षित, अशोक मिश्र, पूर्णिमा बाजपेयी, तरुण कुलश्रेष्ठ,शुभदा बाजपेयी, अनन्या मिश्रा, शिखा मिश्रा, दया शंकर मिश्र, मल्लिका द्विवेदी एवं देवेन्द्र सफल,आदि ने काव्य–पाठ किया। समारोह में बड़ी संख्या में साहित्यकार, साहित्यप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में 'वाणी' संस्था के अध्यक्ष रमाकांत शुक्ल ने अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाई गई गुरुदेव श्री राकेश जी की 60वीं वर्षगांट

भीतर की साधना, बाहर का समर्पणः अहो गुरुदेव में पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के जीवन और कार्य के छह दशकों का उत्सव

पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी की 60वीं जन्म–वर्षगांठ, सिर्फ एक जीवन का नहीं बल्कि उनसे बदले अनगिनत जीवन का उत्सव है

छह महाद्वीपों से संतों, दिग्गजों और साधकों का भव्य संगम, 60 ऐतिहासिक पहलों की घोषणा

यह, ऊपर से देखने में, 60वीं जन्म–वर्षगांठ का उत्सव था। लेकिन विशाल कन्वेंशन सेंटर के भीतर, यह अवसर 'बड़े जन्मदिन' की सामान्य भाषा और ढांचे से कहीं आगे लगता था। आध्यात्मिक गुरु, कॉर्पोरेट लीडर, परोपकारी, युवा स्वयंसेवक और दुनिया भर के 214 शहरों और 24 देशों से आए हजारोंमुंबई, 27 सितंबर 2026ः जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर 25–26 सितंबर 2026 को पूरी दुनिया के लिए एक संगम स्थल बना, जब श्रीमद् राजचंद्र मिशन धरमपुर ने अहो गुरुदेव दृ 60 Years of an Enlightened Existence का आयोजन किया। इस समारोह ने मनाई पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी की 60वीं जन्म–वर्षगांठ, जो दुनिया भर में सम्मानित आध्यात्मिक गुरु, मानवसेवी और श्रीमद् राजचंद्रजी के परम भक्त हैं। आध्यात्मिक साधक, सब एक ही स्थान से होकर गुजरे।

इस दो दिवसीय आयोजन में पूज्य मोरारी बापू, पूज्य आनंदमूर्ति गुरुमां, स्वामी चिदानंद सरस्वतीजी, स्वामी स्वरूपानंदजी, बीके सिस्टर शिवानी, साध्वी भगवती सरस्वती और भिखु संघसेनाजी सहित कई आदरणीय संत शामिल हुए। अन्य विशिष्ट अतिथियों में मंगल प्रभात लोढ़ा, कैबिनेट मंत्री, महाराष्ट्र सरकार; पद्म विभूषण एन. आर. नारायण मूर्ति, संस्थापक एवं चेयरमैन एमेरिटस, इन्फोसिस; पद्म भूषण एन. चंद्रशेखरन, चेयरमैन, टाटा संस; लेफ्टिनेंट जनरल डी. एस. कुशवाह, च्टैड, ।टैड, ैड, ळव्ब्, महाराष्ट्र, गुजरात एवं गोवा क्षेत्र; पद्म श्री हेमा मालिनी, सांसद (लोकसभा, मथुरा); पद्म भूषण दीपक पारेख, पूर्व चेयरमैन, भ्क्थ्ब्; पद्म श्री दिलीप संघवी, संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज; पद्म श्री संजीव कपूर, कलिनरी आइकॉन एवं सह–संस्थापक, वंडरशेफ; मनोज मोदी, निदेशक, रिलायंस रिटेल एवं रिलायंस जियो; विनोद अडानी, प्रमोटर, अडानी ग्रुप; अशोक हिंदुजा, चेयरमैन, हिंदुजा ग्रुप; रणबीर कपूर, अभिनेता एवं निर्माता; सुधीर मेहता, चेयरमैन एमेरिटस, टोरेंट ग्रुप; सोनम कपूर आहूजा, अभिनेत्री एवं फैशन उद्यमी; नीलेश शाह, एमडी, कोटक महिंद्रा एएमसी; मोतीलाल ओसवाल, सह–संस्थापक, मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज; और मधुकर पारेख, चेयरमैन, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज शामिल रहे।

एक खास पल था 60 नई पहलों की घोषणा, जो आध्यात्मिक और सेवा परियोजनाओं के बीच बराबर–बराबर बांटी गई थीं। सेवा परियोजनाओं की सूची में शामिल थे कृ श्रीमद् राजचंद्र सर्वमंगल कैंसर अस्पताल; सुरेंद्रनगर में श्रीमद् राजचंद्र सर्वमंगल अस्पताल और मेडिकल कॉलेज; श्रीमद् राजचंद्र मानसिक स्वास्थ्य पहल; 60 नए श्रीमद् राजचंद्र लव एंड केयर सेंटर्स; पूरे भारत में मल्टी–स्पेशियलिटी मेगा मेडिकल कैंप्स के साथ–साथ एनीमिया और विज़न केयर कैंप्स, जो 60 मिलियन लोगों तक पहुँचे; पशु देखभाल के लिए एक विशाल परिसर जिसमें 4 संस्थान शामिल हैं कृ श्रीमद् राजचंद्र एनिमल हॉस्पिटल, एनिमल शेल्टर, वेटरनरी साइंस इंस्टीट्यूट और धरमपुर में अहिंसा जागरूकता केंद्र, साथ ही मलाड में एक एनिमल हॉस्पिटल; श्रीमद् राजचंद्र दिशा कृ एक मुफ्त, एआई–आधारित करियर मार्गदर्शन मंच; मुंबई में विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए श्रीमद् राजचंद्र स्कूल; ग्रामीण भारत के लिए श्रीमद् राजचंद्र सर्वमंगल यूनिवर्सिटी; श्रीमद् राजचंद्र वनरोपण पहल और महिला सशक्तिकरण, समुदाय व पर्यावरण से जुड़ी कई अन्य पहलें।

आध्यात्मिक उन्नति के लिए जिन परियोजनाओं का अनावरण किया गया उनमें शामिल हैं कृ मुंबई में आध्यात्मिक केंद्र; श्रीमद् राजचंद्र आश्रम में नई जगहें जैसे श्रीमद् राजचंद्र वेलनेस सेंटर; सॉलिट्यूड ग्रोव्स (एकांत कुटीर); श्रीमद् राजचंद्र म्यूज़ियम; दक्षिण अमेरिका में छह नए सत्संग केंद्र; पूज्य गुरुदेवश्री के प्रवचन, पुस्तकें और ध्यान दुनिया की 8 सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में, 60 पुस्तकें (दस भाषाओं में छह शीर्षक) और श्रीमद् राजचंद्रजी की महान कृति आत्मसिद्धि शास्त्र पर पूज्य गुरुदेवश्री की टीका 60 भाषाओं में; 60 भाषाओं में श्री आत्मसिद्धि शास्त्र; और ठम्ल्व्छक, पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी की एक विजुअल जीवनी।

इस आयोजन में पवित्र आत्मार्पित दीक्षा (संन्यास) समारोह भी हुआ, जिसमें ग्यारह युवा साधकों ने ब्रह्मचर्य व्रत लेकर अपना जीवन एक उच्च उद्देश्य को समर्पित किया। 26वीं की शाम, श्अहो गुरुदेवश नामक एक भव्य सांस्कृतिक श्रद्धांजलि में युवाओं की प्रस्तुतियों ने पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के जीवन और कार्य को समर्पित भाव अर्पित किए। पूरे कार्यक्रम के दौरान, गुरुदेवश्री राकेशजी ने श्सचेतन चयनश, श्साहसपूर्वक त्यागश और श्करुणापूर्वक सेवाश पर तीन प्रेरणादायी प्रवचन दिए।

चार वर्ष की आयु से ही, पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी ने अनगिनत साधकों को अपनी ओर खींचा है, एक ऐसी स्पष्टता से प्रभावित होकर जो मानो उनकी उम्र से कहीं आगे थी। छह दशकों बाद, वह शुरुआती आभा आज छह महाद्वीपों में फैली एक वैश्विक उपस्थिति बन चुकी है, जो लाखों जिंदगियों को छूती है कृ कम उम्र में ही जीवन का उद्देश्य खोज लेने वाले युवाओं से लेकर, उनके प्रवचन सुनने के लिए बोर्डरूम छोड़कर आने वाले कॉर्पोरेट लीडर्स तक; अफ्रीका के गांव की कक्षाओं से लेकर नया जीवन पाने वाले बचाए गए पशुओं तक; और अलग–अलग भाषाओं व संस्कृतियों के साधकों तक, जिन्हें सुकून और नई दृष्टि मिली। आध्यात्मिक जागृति और निरंतर मानवसेवा की यह शक्ति ही इस उत्सव को उनकी दृष्टि से बदले गए जीवन का उत्सव बनाती है। इस आयोजन में एक भव्य समारोह की शान थी, लेकिन इसका असली केंद्र कहीं और था कृ इस विचार में कि आध्यात्मिकता को कर्म में बदलना चाहिए। मुंबई में हुए इस पहले आयोजन के बाद, यह उत्सव पूरे भारत में और फिर विदेशों में कृ दुबई और लंदन से लेकर टोरंटो और अमेरिका के कई शहरों तक कृ आयोजित किया जाएगा।

सी.एम.पी. डिग्री कालेज में पाँच दिवसीय 'दीक्षारम्भ' सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम का भव्य समापन

पाँच दिनों तक विधि शिक्षा, न्याय तक पहुँच, मूट कोर्ट, महिला समावेशिता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विधिक जागरूकता, व्यावसायिक नैतिकता, पर्यावरण एवं छात्र जीवन के विविध आयामों पर हुआ संवाद

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के विधि विभाग एवं विधिक सहायता एवं सेवा केंद्र (स्महंस ।पक – ैमतअपबमे ब्सपदपब) के संयुक्त तत्वावधान में नवप्रवेशित एल.एल.बी. प्रथम सेमेस्टर, शैक्षणिक सत्र 2026दृ27 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पाँच दिवसीय "दीक्षारम्भ" सह अभिमुखीकरण कार्यक्रम का सोमवार, 28 सितम्बर 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 22 सितम्बर से प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम में पाँच कार्यदिवसों के दौरान देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विधि शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों, महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विभिन्न संस्थागत समितियों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को विधि शिक्षा के शैक्षणिक, व्यावसायिक, सामाजिक, नैतिक एवं तकनीकी आयामों से परिचित कराया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को केवल महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम से परिचित कराना नहीं था, बल्कि उन्हें विधि अध्ययन की व्यापक प्रकृति, न्याय तक पहुँच, संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, व्यावसायिक नैतिकता, तकनीकी दक्षता, पर्यावरणीय चेतना तथा सफल विधिक जीवन के लिए आवश्यक दृष्टिकोण से भी अवगत कराना था।

प्रथम दिवस रू विधि, संवैधानिक अधिकार और न्याय तक पहुँच

कार्यक्रम के प्रथम दिवस, 22 सितम्बर 2026 को डॉ. रुचिता चक्रवर्ती, असिस्टेंट

प्रोफेसर, कैंपस लॉ सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उनके व्याख्यान में संवैधानिक अधिकारों, विधि के शासन तथा न्याय तक समान पहुँच जैसे विषयों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। नवप्रवेशित विद्यार्थियों को यह समझाया गया कि विधि की शिक्षा केवल न्यायालय एवं पेशे से संबंधित ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका गहरा संबंध नागरिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और संवैधानिक व्यवस्था से है।

प्रथम दिवस पर महाविद्यालय की विभिन्न छात्रोपयोगी संस्थागत व्यवस्थाओं की जानकारी भी विद्यार्थियों को दी गई। प्रॉक्टोरियल बोर्ड, एंटी–रैगिंग व्यवस्था तथा स्टूडेंट ग्रीवांस रिड्रेसल व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों, छात्र अनुशासन, सुरक्षा एवं शिकायत निवारण प्रक्रियाओं से नवप्रवेशित विद्यार्थियों को परिचित कराया गया।

द्वितीय दिवसः कक्षा से न्यायालय तक की यात्रा

23 सितम्बर 2026 को आयोजित द्वितीय दिवस के मुख्य वक्ता डॉ. दिनेश दायमा, असिस्टेंट प्रोफेसर (सीनियर स्केल), कैंपस लॉ सेंटर, फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली रहे। उन्होंने "थ्तवउ ब्संेतववउ जव ब्वनतजतववउरू जैम प्उचवतजंदबम व िडववज ब्वनतजे ंदक प्दजमतदेीपचे पद स्महंस म्कनबंजपवद" विषय पर व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को विधि शिक्षा में मूट कोर्ट, इंटर्नशिप एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण की उपयोगिता से परिचित कराया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एक सफल विधि विद्यार्थी के लिए केवल पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन पर्याप्त नहीं है; न्यायालयीन प्रक्रिया, विधिक लेखन, तर्क–वितर्क, शोध, मूट कोर्ट और वास्तविक संस्थानों में इंटर्नशिप के माध्यम से अर्जित अनुभव विधिक व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी दिवस प्रो. रजत श्रीवास्तव, डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने छात्र कल्याण सेवाओं, छात्रवृत्तियों, प्रमाणपत्रों तथा संस्थागत सहयोग संबंधी सुविधाओं की जानकारी दी। डॉ. अशोक कुमार, सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति ने विद्यार्थियों को आंतरिक शिकायत व्यवस्था, लैंगिक संवेदनशीलता तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण के महत्व से अवगत कराया।

तृतीय दिवसः समावेशिता, गुणवत्ता, डिजिटल अधिगम और व्यावसायिक नैतिकता

कार्यक्रम के तृतीय दिवस, 24 सितम्बर 2026 को विभिन्न विषयों पर कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। डॉ. मर्सी के. खाउते, असिस्टेंट प्रोफेसर, लॉ सेंटरदृ, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली ने "स्वबंजपदह ॅवउमद पद स्महंसै जनकपमे दृ ज्वूंतके प्दबसनेपअपजल" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विधि अध्ययन में महिलाओं की स्थिति, समावेशिता एवं लैंगिक दृष्टिकोण के महत्व पर विचार प्रस्तुत किए।

बादल गाते गीत

(छप्पय)

कहीं बने बरसात कहीं गर्मी रख अंचल।
बादल गाते गीत हवाएँ बहती चंचल।
झूम रही हैं डाल पात बौराए लगते।
हरे सुनहरे लाल पके फल पीले दिखते।
नूतनता के साथ में कहकर अपनी बात को।
मौसम खुशियाँ दे रहा हरि प्रदत्त दिन–रात को।।

नभ से उतरी धूप नदी का पानी पीकर।
डोल रही चहुँ ओर बनी मौसम की टीचर।
बैठ बाग के बीच दे रही सबको शिक्षा।
काटा जिसने पेड़ माँगता है वह भिक्षा।
नीतियुक्त यह बात कह हरियाली के साथ में।
रौशन कर संसार को फूल बिछाती राह में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बीएचयू के आईआईटी में बकुलाही, बारुठी व असि नदियों के पुनर्जीवन का मुद्दा गूंजा

सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने की विशिष्ट सहभागिता, समाज संग सहयोगी बनने का किया वादा

प्रतापगढ़। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), वाराणसी में विश्व नदी दिवस पर आयोजित नदी सम्मेलन में प्रतापगढ़ व प्रयागराज क्षेत्र के सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने विशिष्ट सहभागिता की। समाज शेखर ने जहाँ बकुलाही पुनरुद्धार के राज व समाज के साझा कार्यों पर अपनी आख्या प्रस्तुत की, वहीं प्राचीन महत्व

की अस्तित्वहीन बारुठी व असि नदियों के पुनर्जीवन हेतु अपने तथ्य प्रस्तुत करते हुए स्थानीय समाज के साथ मिलकर सहयोगी की भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया और सभी से सहयोग व सहभागिता की अपील भी की।

कार्यक्रम संयोजक, आईआईटी के सिविल विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. प्रभात कुमार सिंह ने समाज शेखर को आश्वस्त किया कि असि नदी के पुनरुद्धार हेतु सरकारों व समाज की साझा कोशिश से जल्द प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। बकुलाही नदी के कार्य को उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्होंने बारुठी के पुनर्जीवन हेतु सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जल शक्ति राज्यमंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी थे। अध्यक्षता राष्ट्रीय गंगा समग्र के राष्ट्रीय संयोजक अमरेंद्र प्रसाद सिंह ने की। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से तकनीकी विशेषज्ञ, पानी कार्यकर्ता व आईआईटी के विशेषज्ञों व छात्रों ने प्रतिभाग किया। समाज शेखर के साथ धर्मपत्नी प्रीति समाज व पुत्र यथार्थ शेखर तथा यमुनापार से लोनी नदी के लिए प्रयासरत राम बाबू तिवारी, लोक संस्कृति विकास संस्थान के शरद मिश्र आदि शामिल रहे।

कोर, प्रयागराज को हिंदी में उत्कृट कार्य करने के लिए राजभाषा शील्ड पुरस्कार

प्रयागराज। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठरन (कोर), प्रयागराज को हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिनांक 28.09. 2026 को श्री जे.सी.चौरसिया, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य इंजीनियर/कोर को माननीया मीनाक्षी सिंह मुख्य आयकर आयुक्त एवं अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय–1), इलाहाबाद द्वारा राजभाषा शील्ड पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया है ।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं: DyCPMGSURETENDER-06 | दिनांक: 25.09.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा-सिंगल पैकेट प्रणाली):-

निविदा सं.: GSURETENDER-06	अनुमानित लागत (रु): ₹ 86443309.99
कार्य का विवरण: उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति यूनिट/प्रयागराज के अंतर्गत इलेक्ट्रिक ट्रिप शेड प्रयागराज स्थित छिवकी ट्रिप मेंटेनेंस सेंटर में स्टील स्ट्रक्चरल शेड के विस्तार एवं एकत्रण तथा अन्य संबंधित कार्यों का प्रावधान।	
बयाने की रकम (रु): ₹ 1728900.00	कार्य समापन की अवधि: 12 महीने
निविदा खुलने की तिथि: 21.10.2026 15:30 hrs.	
इलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य: Any structural steel fabrication work.	

नोट: 1. ऑनलाइन निविदा 21.10.2026 को 15:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 15:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 21.10.2026 तक उपलब्ध है। 2202/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं: GSU-ST-10-2026

ई-निविदा सूचना

डिप्टी सीएसटीई गति शक्ति यूनिट (सिगनल और टेलीकम्युनिकेशन) के द्वारा, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फॉर्म पर खुली ई-निविदा, वर्णित खुलने की तिथि को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार है:-

निविदा संख्या: 10	काम की अनुमानित लागत: 20728139.7
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के चकेरी धाम स्टेशन पर मौजूदा MSDAC सिस्टम एल्डाइन मेक (Eldyne Make) में संशोधन के लिए मानक (मॉडिफिकेशन) रूपरेखा, घटक और निष्पादन हैं। इसमें ट्रांसमीटर (Tx) और रिसीवर (Rx) यूनिट्स, एक्सेसरीज की आपूर्ति और स्थापना, इवैल्यूएटर में लॉजिक संशोधन और वायरिंग आदि शामिल हैं।	
अग्रिम राशि: 414600.00	निविदा प्रपत्र की लागत: 0.00
समापन अवधि: 12 Months	निविदा खुलने की तिथि: 19.10.2026

निविदा प्रपत्र की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर राशि जमा करना एवं उसका रूप: उपरोक्त लिखित अग्रिम राशि केवल इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जानी चाहिए। निविदाकर्ताओं को ध्यान देना चाहिए कि, किसी भी मामले में, उपरोक्त निर्दिष्ट के अलावा किसी अन्य रूप में धरोहर राशि स्वीकार्य नहीं होगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतया अस्वीकृत कर दी जाएगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा ई-निविदा के माध्यम से मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में 12:30 बजे या उसके बाद खोली जाएगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होता है, तो निविदाएं अगले कार्य दिवस को खोली जाएंगी।

निविदा की वैधता: निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन।

निविदा से हटने हेतु रेलवे के अधिकार: रेल प्रशासन बिना कोई कारण बताए निविदा को स्थगित/संशोधित करने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। 2207/26 (AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.......

छात्रों को वित्तीय प्रबंधन की शिक्षा देना जरूरी

भारतीय छात्रों को वित्तीय साक्षरता की शिक्षा देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। जब छात्र कम उम्र में पैसों का प्रबंधन सीखते हैं, तो वे भविष्य में बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनते हैं। वित्तीय साक्षरता और वित्तीय प्रबंधन सीखने से कॉलेज ही नहीं, बल्कि सीनियर स्कूल छात्र भी बजट बनाना, बचत करना और फिजूलखर्ची से बचना सीखते हैं। इससे भविष्य की सुरक्षा के लिए लोन (जैसे एजुकेशन लोन), क्रैडिट कार्ड और कर्ज के जाल से बचने की समझ विकसित होती है। इससे निवेश की समझ भी बदलती है। छात्रों को वित्त प्रबंधन सिखाना अब अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। उन्हें बचत, बजट, निवेश और जिम्मेदार खर्च से अवगत कराकर, हम उन्हें महत्वपूर्ण जीवन कौशल प्रदान करते हैं। पूरे देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में वित्तीय साक्षरता की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। कॉलेज से कॉर्पोरेट जीवन में कदम रखना या अपना स्टार्ट–अप शुरू करना एक युवा व्यक्ति के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक है। पहली कमाई करना या मिलना उत्साह, स्वतंत्रता और नई जिम्मेदारियां लेकर आता है। हालांकि, इसके साथ ही कुछ व्यावहारिक सवाल भी उठते हैं। कितना पैसा बचाना चाहिए? खर्चों की योजना कैसे बनानी चाहिए? क्या बीमा आवश्यक है? खर्च करना, बचत करना और निवेश करना, इन तीनों में क्या अंतर है? क्या हमारे विश्वविद्यालय इस शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं? वित्तीय साक्षरता कोई विशेष कौशल नहीं है, जो केवल वित्त पेशेवरों के लिए ही हो। यह सभी के लिए जरूरी है। यह एक व्यावहारिक जीवन कौशल है, जो व्यक्ति को कमाई, खर्च, बचत, उधार, सुरक्षा और निवेश के बारे में सोच–समझकर निर्णय लेने में मदद करता है। ये ऐसे जीवन कौशल हैं, जिनकी आवश्यकता प्रत्येक छात्र को होती है, चाहे उसका शैक्षणिक विषय या करियर पथ कुछ भी हो। आधुनिक अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल होती जा रही है। आज के छात्र यू.पी.आई., ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल वॉलेट और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म का सक्रिय रूप से उपयोग करते हैं। प्रौद्योगिकी ने वित्तीय लेन–देन को सुविधाजनक तो बना दिया लेकिन साथ ही साइबर धोखाधड़ी, अविवेकी खर्च और वित्तीय संबंधी गलत सूचनाओं के खतरे को भी बढ़ा दिया है। इसलिए, वित्तीय जागरूकता न केवल धन कमाने के लिए, बल्कि वित्तीय सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हो गई है।डिग्री से छात्र को रोजगार पाने में मदद मिल सकती है लेकिन वित्तीय साक्षरता उन्हें कार्यस्थल से परे जीवन में आगे बढने में सहायक होती है। जैसे–जैसे उच्च शिक्षा बदलती दुनिया की मांगों को पूरा करने के लिए विकसित हो रही है, वित्तीय साक्षरता को न केवल वित्तीय ज्ञान के रूप में, बल्कि प्रत्येक छात्र के लिए एक मूलभूत जीवन कौशल के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे सभी छात्रों को वित्तीय साक्षरता और वित्तीय प्रबंध का कौशल सिखाना उनके भविष्य की भलाई में एक निवेश होगा। पैसे, बचत, बजट और जिम्मेदार खर्च की समझ को पहले से ही सिखा कर, हम उन्हें आत्मविश्वास से वित्तीय दुनिया की जटिलताओं का सामना करने की क्षमता प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, भारतीय छात्रों को केवल 'पैसे कमाना' नहीं, बल्कि 'पैसे का प्रबंधन करना' सिखाना देश की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करने के लिए भी बेहद जरूरी है।

अपने पुरखे: पं.गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'– राष्ट्रचेतना के ओजस्वी कवि

जयराम जय

"जो भरा नहीं है भावों से,बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं,वह पत्थर है,जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।"

इन अमर पंक्तियों के रचनाकार पं. गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' (21 अगस्त 1883द20 मई 1972) हिंदी साहित्य के उन विरल रचनाकारों में हैं, जिनके लिए कविता केवल सौंदर्य–बोध या मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, राष्ट्रीय स्वाभिमान और परिवर्तन का सशक्त उपकरण थी। वे कवि होने के साथ स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षक और संपादक भी थे। ब्रजभाषा की दीर्घ परंपरा के बीच खड़ी बोली में ओज, माधुर्य और छंद–सौंदर्य से संपन्न काव्य रचकर उसे कवि–सम्मेलनों के माध्यम से जन–जन तक पहुँचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद के हड़हा गाँव में जन्मे सनेही जी ने बहुत कम आयु में अध्यापन आरंभ कर दिया था। मात्र सोलह वर्ष की अवस्था में वे एक मिडिल स्कूल में शिक्षक बन गए। साहित्यिक अभिरुचि रखने वाले सहकर्मियों की प्रेरणा से उनका रुझान काव्य–सृजन की ओर हुआ। उनकी प्रतिभा की तीक्ष्णता का एक रोचक प्रसंग प्रचलित है। विद्यालय के निरीक्षण अथवा मरम्मत–कार्य के सिलसिले में एक अभियंता वहाँ पहुँचे। उनकी दृष्टि सनेही जी की मेज पर रखी उर्दू की छंदशास्त्रीय पुस्तक पर पड़ी। उन्होंने पूछाकृ'इसे कौन पढ़ता है?' सनेही जी ने सहजता से उत्तर दियाकृ'मैं ही पढ़ता हूँ।'

अभियंता ने उनकी योग्यता परखने के लिए उर्दू कविता की एक पंक्ति सुनाकर उसका वज़्न बताने को कहा। सनेही जी ने न केवल उसका वज़्न बताया, बल्कि तत्काल उसी पर गिरह भी लगा दी। यह प्रसंग उनके बहुआयामी काव्य–ज्ञान और छंद–साधना का परिचायक है। हिंदी के साथ उर्दू काव्य–परंपरा और छंद–विधान की उनकी समझ ने उनकी रचनात्मकता को विशिष्ट विस्तार दिया।

सन् 1921 तक वे विभिन्न विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत रहे। किंतु स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण अंततः उन्हें अध्यापन से त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद उनका जीवन कविता, जेल–यात्रा और राष्ट्रीय जागरण के बीच निरंतर सक्रिय रहा। वे मानते थे कि कविता यदि जनता की चेतना को स्पर्श न करे तो उसकी सामाजिक उपयोगिता अधूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने 'सनेही मंडल' की स्थापना की। अवध क्षेत्र के विभिन्न जनपदों तक इसका विस्तार हुआ और अनेक नवोदित कवि इस काव्य–परंपरा से जुड़े।

देशभक्ति की कविताओं के लिए उन्होंने 'सनेही' के अतिरिक्त 'त्रिशूल' उपनाम का भी प्रयोग किया। 'त्रिशूल' नाम ही उनके विद्रोही तेवर और राष्ट्रीय चेतना का संकेत देता है। हास्य–व्यंग्य के लिए वे 'तरंगी', 'अलमस्त', 'लहर–लहरपुरी' आदि उपनामों से भी लिखते थे। इस प्रकार एक ही रचनाकार के भीतर प्रेम, शृंगार, भक्ति, हास्य, व्यंग्य, राष्ट्रीयता और सामाजिक प्रतिरोध की अनेक धाराएँ एक साथ प्रवाहित होती थीं।

सनेही जी का साहित्यिक व्यक्तित्व केवल रचना तक सीमित नहीं रहा। सन् 1928 में उन्होंने 'सुकवि' पत्रिका का संपादन और प्रकाशन प्रारंभ किया। यह पत्रिका नवोदित कवियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनी। उनके प्रयासों से अनेक कवि साहित्य की मुख्यधारा से जुड़े। उनके द्वारा तैयार की गई यह काव्य–पीढ़ी राष्ट्रीय जागरण में सहभागी बनी। आज कवि–सम्मेलनों की जो लोकप्रिय और जनोन्मुख परंपरा दिखाई देती है, उसके विकास में 'सनेही मंडल' की काव्य–गोष्ठियों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना जाता है।

सनेही जी की कविता का मूल स्वर जन–जागरण का स्वर है। प्रेम और शृंगार की कोमलता के साथ राष्ट्रीयता का ओज, सामाजिक विषमता के विरुद्ध आक्रोश और परिवर्तन की आकांक्षा उनकी रचनाओं में साथ–साथ दिखाई देती है। उनके प्रमुख काव्य–संग्रहों में 'प्रेम पचीसी', 'गप्पाष्टक', 'कुसुमांजलि', 'कृषक क्रन्दन', 'त्रिशूल तरंग', 'राष्ट्रीय मंत्र', 'संजीवनी' और 'राष्ट्रीय वीणा' आदि उल्लेखनीय हैं।

समाज–सुधार के प्रश्नों पर भी उनकी दृष्टि अत्यंत सजग थी। महात्मा गांधी के अछूतोद्धार आंदोलन के दौरान उन्होंने कविता को सामाजिक चेतना का माध्यम बनाया। उनकी प्रसिद्ध घनाक्षरी आज भी जातिगत भेदभाव के विरुद्ध एक तीखा प्रश्न बनकर सामने आती है–

"एक ही विधाता के अमृत–पुत्र, एक देश,
कुछ यों अपूत, कुछ पूत कैसे हो गये?
सबकी नसों में रक्त एक ही प्रवाहित है,
कुछ देवदूत, कुछ भूत कैसे हो गये?"

इस कविता का महत्व केवल तत्कालीन सामाजिक संदर्भ तक सीमित नहीं है। मनुष्य को जन्म के आधार पर बाँटने वाली मानसिकता पर सनेही जी का यह प्रश्न आज भी उतना ही प्रासंगिक है। वे भारतीय परंपरा के भीतर से ही समानता और मानवीय गरिमा की आवाज बुलंद करते हैं।

उनकी राष्ट्रीय चेतना का एक और रूप स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति उनकी संवेदना में दिखाई देता है। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान के बाद उन्होंने देशवासियों को सांत्वना और संघर्ष का संदेश देते हुए लिखाकृ

"सच्चे आशिकों के है मुक़द्दर में सूली लिखी,
तुम न दुखाओ दिल, उनको दुखाने दो।
रोके रहो आहें यह अपनी फलक–सोज,
अगर सताता है फलक तो सताने दो।"

यहाँ व्यक्तिगत शोक राष्ट्रीय संकल्प में रूपांतरित हो जाता है। सनेही जी की कविता आँसू पोंछने के साथ संघर्ष की लौ भी जलाती है।

कानपुर से प्रकाशित दैनिक 'वर्तमान' से भी उनका जुड़ाव रहा। उसके उद्देश्य–वाक्य के रूप में उनकी ये पंक्तियाँ प्रकाशित होती थींकृ

"शानदार था भूत, भविष्यत भी महान है,
अगर सँभालें आप उसे जो वर्तमान है।"

इन पंक्तियों में इतिहास, भविष्य और वर्तमान के बीच उत्तरदायित्व का सुंदर संबंध स्थापित होता है। अतीत के गौरव और भविष्य की आकांक्षा के बीच वर्तमान को सँभालने का संदेश आज भी उतना ही सार्थक है।

सनेही जी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही थी कि उन्होंने साहित्य को जीवन से अलग करके नहीं देखा। वे स्वयं शिक्षक थे तो शिक्षा से जुड़े रहे, स्वतंत्रता सेनानी थे तो राष्ट्रीय आंदोलन से जुड़े रहे, संपादक थे तो साहित्यिक प्रतिभाओं को मंच देते रहे और कवि थे तो जनता की पीड़ा तथा आकांक्षाओं को स्वर देते रहे। उनकी कविता में वैदुष्य है, किंतु वह केवल पांडित्य–प्रदर्शन नहीं; उसमें जीवन का ताप और संघर्ष की बेचैनी भी है। इसी कारण उनका विद्रोह नारे में सीमित नहीं होता, बल्कि संवेदना और विचार के साथ कविता में रूपांतरित होता है।

जीवन के अंतिम दिनों में कानपुर के उर्सला अस्पताल में रहते हुए उन्होंने जो छंद लिखा, वह उनके समूचे साहित्यिक जीवन का मानो आत्मकथ्य बन गया–

"करने चले तंग पतंग मुझे जल,
मिट्टी में मिट्टी मिला चुका हूँ।
तम–तोम का काम तमाम किया,
जगती को प्रकाश में ला चुका हूँ।
नहीं चाह 'सनेही' सनेह की और,
सनेह में जी मैं जला चुका हूँ।
बुझने का मुझे कुछ दुःख नहीं,
पथ सैकड़ों को दिखला चुका हूँ।"

इन पंक्तियों में एक साधक–कवि का आत्मविश्वास है, जिसने अपने हिस्से का प्रकाश समाज को देने के बाद जीवन की संध्या को सहजता से स्वीकार किया। यही सनेही जी की रचनात्मक साधना का सार भी हैकृस्वयं जलना और दूसरों के लिए राह प्रकाशित करना।

हिंदी साहित्य के इतिहास में पं. गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' का मूल्यांकन केवल राष्ट्रीय कवि या छंद–साधक के रूप में करना उनके व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। वे एक ऐसे वैदुष्यपूर्ण विद्रोही रचनाकार थे, जिन्होंने कविता को जनचेतना से जोड़ा, नवोदित प्रतिभाओं को मंच दिया और साहित्य को सामाजिक तथा राष्ट्रीय उत्तरदायित्व से संपृक्त किया। उनकी कविता में देशप्रेम भावुकता नहीं, कर्म का आह्वान है; विद्रोह अराजकता नहीं, अन्याय के विरुद्ध नैतिक प्रतिरोध है; और स्नेह केवल निजी अनुभूति नहीं, समूचे समाज के प्रति आत्मीयता है।

इसीलिए 'सनेही' आज भी केवल हिंदी साहित्य के इतिहास का एक नाम नहीं हैं। वे उस परंपरा के प्रतिनिधि हैं जो मानती है कि कवि का हृदय तभी सार्थक है, जब उसमें भावों की रसधार के साथ अपने देश, समाज और मनुष्य के प्रति प्रेम भी प्रवाहित हो।

जयराम जय
'पर्णिका' बी–11 / 1कृष्ण विहार
आवास विकास कल्याणपुर
कानपुर 208017 (उ.प्र.)
मो.नं.9415429104–9369848238
ई–मेलः
jairamjay2011@gmail-com

चुनाव आयोग में एकतरफा फैसलों के लिए कोई जगह नहीं

एस.वाई. कुरैशी

एक साल से भी अधिक समय से, मैं मतदाता सूचियों के 'विशेष सघन पुनरीक्षण' (एस.आई.आर.) के बारे में आलोचनात्मक रूप से लिखता रहा हूं। मैंने ऐसा कुछ संकोच के साथ किया। भारत का निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) एक ऐसा संस्थान है, जहां मैंने कई वर्षों तक सेवा की है। मैं इसकी खूबियों को जानता हूं और मैंने अक्सर इसे हमारे संविधान के महान उपहारों में से एक कहा है। एक अंग्रेजी अखबार के खुलासों के बाद, मुझे आश्चर्य होता है कि क्या मैं पर्याप्त रूप से आलोचनात्मक था? जांच रिपोर्ट बताती है कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार उन फैसलों और आदेशों पर आपत्तियां दर्ज कराईं, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे उनकी जानकारी के बिना लिए गए थे। उनकी चिंताएं ई.सी.आई. के मूल कामकाज से जुड़ी थीं, जिसमें मतदाताओं का पंजीकरण और विलोपन, नामों की बहाली, फॉर्म 6, चुनावी मामलों में अपील और नामावलियों की डिजिटल संरचना पर नियंत्रण शामिल था। अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया कि क्या एस.आई.आर. बुद्धिमानी भरा, निष्पक्ष या प्रशासनिक रूप से सही था। एक वास्तविक सवाल उठता है–क्या ये फैसले वास्तव में ई.सी.आई. द्वारा लिए जा रहे हैं? यदि नहीं, तो क्या इन्हें कानूनी माना जा सकता है? कानून स्पष्ट है। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 की धारा 18(2) में प्रावधान है कि आयोग का सारा कामकाज, जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से निपटाया जाएगा। यदि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों में मतभेद होता है, तो मामले का फैसला 'बहुमत की राय के अनुसार किया जाएगा'। धारा 18(1) इससे भी आगे जाती है–कामकाज के संचालन और उसके आबंटन की प्रक्रिया को भी केवल सर्वसम्मत फैसले द्वारा ही विनियमित किया जा सकता है। सर्वसम्मति ही वैधानिक नियम है। जहां यह विफल होती है, वहां बहुमत तय करता है। एकतरफा फैसलों के लिए यहां कोई जगह नहीं है। यह सिद्धांत इस कानून से भी पुराना है। टी. एन. शेषन बनाम भारत संघ (1995) के मामले में, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर बल दिया था कि अनुच्छेद 324 चुनावों की जिम्मेदारी ई.सी.आई. को सौंपता है, किसी एक व्यक्ति को नहीं।

समाज को ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले राजनीतिज्ञों व अधिकारियों की जरूरत

राजेंद्र मोहन शर्मा

भारत के प्रथम गृहमंत्री व उपप्रधानमंत्री, जिन्हें लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है तथा जिन्हें अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं का स्टील फ्रेम माना जाता है, सरदार पटेल ने अपने संबोधन में कहा था कि प्रशासनिक अधिकारी भारत की रीढ़ की तरह होते हैं तथा जिन्हें धैर्य, साहस, तटस्थता, ईमानदारी व बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के कार्य करना चाहिए। यह मूलभूत बातें इन अधिकारियों के प्रशिक्षण में भी रटाई जाती हैं। मगर न जाने किन कारणों से देश के कुछ अधिकारी अपने नैतिक मूल्यों को त्याग कर राजनीतिज्ञों के पिच्छ्रू बनकर अपना कार्य लोभ–लालसा व पक्षपातपूर्ण रवैये के साथ करना शुरू कर देते हैं। अधिकतर अधिकारी अपनी मनचाही तैनाती व उन्नति पाने के लिए किसी सत्ता पक्ष के दल का दामन थाम लेते हैं तथा तटस्थ रहने की बजाय उस दल के अनुचित निर्देशों के प्रति वफादार होकर अपना कार्य करना आरंभ कर देते हैं। कई बार तो यह भी देखा गया है कि कुछ अधिकारी अपनी जाति, धर्म, गृह जिला–राज्य के आधार पर भी अपना कार्य करना शुरू कर देते हैं तथा स्टील फ्रेम से जाने जाने वाले प्रशासन को खींच–खींचकर रबड़ की तरह लचीला बना देते हैं।ईमानदारी व तटस्थता से काम करने वाले चंद अधिकारियों को इधर–उधार भटकाया जाता है। संविधान व विभागीय नियमों के अंतर्गत ट्रांसफर, प्रोमोशन व दंड देने की शक्तियां इन अधिकारियों को उनके रैंक के अनुसार प्रदान की गई हैं लेकिन अब तो यह सारा काम राजनीतिज्ञों ने अपने हाथ में ले लिया है तथा सिपाही, पटवारी व गार्ड तक के स्थानांतरण राजनीतिज्ञों की मर्जी के बिना नहीं किए जा सकते। अधिकारी तो राजनीतिज्ञों के महज 'टूल' बन चुके हैं। विभागों में अनुशासनहीनता बढने का मुख्य कारण भी यही है, क्योंकि यदि किसी कर्मचारी की वाघ्षक गोपनीय रिपोर्ट में कोई प्रतिकूल टिप्पणी कर भी दी जाए, तो वह भी राजनीतिज्ञों द्वारा अनुकूल कर दी जाती हैं। ऐसे हालातों में ईमानदार अधिकारी के पास 2 ही विकल्प रह जाते हैं–या तो वह सिस्टम के साथ घुल–मिल जाए या फिर इधर–उधर भटकने के लिए तैयार हो जाए। यही कारण है कि अधिकतर अधिकारी राजनीतिज्ञों के चमचे बन गए हैं, क्योंकि संस्था की स्वतंत्रता उनके पास नहीं रहने दी जाती।

आप जैसे बड़े लोग बोलते हैं तो असर भी ज्यादा होता है ... सलमान ने ट्रोलर्स की लगाई क्लास तो इंप्रेस हुई फातिमा सना शेख

> सलमान के इस रवैये पर बात करते हुए, फातिमा - जो हुंकार के प्रमोशन के लिए बिग बॉस २० में आई थीं - ने कहा, जिस तरीके से आपने इस बार ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है, यह बहुत बड़ी बात है कि आपकी पोजीशन वाला कोई व्यक्ति मुद्दों पर बात करता है और खड़ा होता है।

एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने बिग बॉस 20 के हालिया एपिसोड में ट्रोलर्स को जिस तरह से सलमान खान ने जवाब दिया, उसके लिए उनकी तारीफ की है। उन्होंने इंडस्ट्री में सलमान की पोजीशन को देखते हुए उनकी इस प्रतिक्रिया को एक अहम कदम बताया है। सलमान के इस रवैये पर बात करते हुए, फातिमा – जो हुंकार के प्रमोशन के लिए बिग बॉस 20 में आई थीं – ने कहा, जिस तरीके से आपने इस बार ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है, यह बहुत बड़ी बात है कि आपकी पोजीशन वाला कोई व्यक्ति मुद्दों पर बात करता है और खड़ा होता है। इसका लोगों पर बहुत बड़ा असर पड़ता है। फातिमा ने इस बात पर जोर दिया कि जब मशहूर हस्तियां मुद्दों पर आवाज उठाती हैं, तो दर्शकों पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है। उन्होंने खास तौर पर सलमान के उस फैसले का जिक्र किया जिसमें उन्होंने अपनी अहम पोजीशन के बावजूद ऑनलाइन ट्रोलर्स को जवाब दिया और मुद्दों पर बात की। वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान, सलमान ने उन ट्रोलर्स को जवाब दिया जिन्होंने उनके वजन बढ़ने और लुक्स को लेकर उन्हें निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि लोगों को दूसरों के लुक्स को लेकर उनकी आलोचना करना बंद कर देना चाहिए। सलमान को अपनी... वजन को लेकर की गई टिप्पणियों पर, जैसे कि भाई मोटा हो गया है,ष सलमान ने जवाब दिया, कर लो न ट्रोल, ये लो, और ऐसा कहते हुए उन्होंने अपनी टोपी और जैकेट उतार दी। सोशल मुद्दों पर खुलकर बात करने वाले इस एक्टर ने बॉडी–शेमिंग, उम्र को लेकर ट्रोलिंग और लोगों के लुक्स की आलोचना के खिलाफ भी बात की। सलमान अपनी दोस्त और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ का बचाव करते दिखे, जिन्हें अंबानी के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में शामिल होने के बाद बच्चे के जन्म के बाद बढ़े वजन के लिए ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। कैटरीना का नाम लिए बिना, सलमान ने कहा, आप किसी प्रेग्नेंट महिला को क्यों ट्रोल करते हैं ? प्रेग्नेंट होने के बाद हर किसी का वजन बढ़ता है... जब वह फिल्मों में वापस आएंगी तो फिट हो जाएंगी। वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहती हैं। अपनी उम्र के बारे में की गई टिप्पणियों पर सलमान ने कहा, हां, मैं 60 साल का हूं। उन्होंने आगे कहा, आप हर समय श्मैंने प्यार कियाश वाले दौर में नहीं रह सकते। अचानक उम्र चर्चा का विषय बन गई है (लोग कहते हैं) वह बूढ़ा हो गया है। आप क्या ट्रोल करना चाहते हैं। मुझे पता है कि मुझे कौन–कौन ट्रोल करता है, हम रिएक्ट नहीं करते। हमारे इतने सारे फैन क्लब हैं, हमें क्या फर्क पड़ता है, उन्हें बोलने दो। गुस्से में आकर उन्होंने अपनी शर्ट और टोपी उतार दी और कैमरे के सामने अपना मेकअप पोंछ दिया और ट्रोल्स को अब उनका मजाक उड़ाने की चुनौती दी। अभिनेता ने तब गर्व से अपनी फिट काया का प्रदर्शन किया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह आलोचना से परेशान नहीं थे। सलमान ने उनके भाई सोहेल खान और वरुण धवन को निशाना बनाने वाले ट्रोल्स के बारे में भी बात की। सलमान ने कहा, पहले अपने आप को देखो, अपने जिस्म को देखो उसके बाद करना ये सब– अपने मां बाप को देखो, उसके बाद ट्रोल करना, मजाक उधना सोहेल के ऊपर, वरुण के ऊपर यह नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जितना ट्रोलिंग करना है कर लो, फटे हुए जूते भी पहनता हूं।

मुझे आप पर बहुत गर्व है... सुनीता आहूजा के सपोर्ट में कश्मीरा शाह, बोलीं- हमें पहली बार किसी ने मर्डरर कहा

एक्ट्रेस कश्मीरा शाह ने एक्टर गोविंदा के साथ तलाक की खबरों के बीच सुनीता आहूजा का समर्थन किया। गोविंदा की कथित गर्लफ्रेंड, एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार द्वारा सुनीता को चालाक महिला बताने और यह दावा करने के एक दिन बाद कि उनके आने से पहले ही गोविंदा और सुनीता के बीच शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें थीं, कश्मीरा ने सवाल उठाया कि कोमल को अपने को–स्टार की जिंदगी की इतनी निजी बातें कैसे पता चलीं। उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टा हैंडल पर लिखा, मेरे करियर की शुरुआत से लेकर अब तक, 30 साल और कुल 50 फिल्मों में, मेरे किसी भी को–स्टार को मेरी निजी जिंदगी या भावनाओं के बारे में कुछ भी पता नहीं चला। मैंने सिर्फ उसी व्यक्ति को सब कुछ बताया जिससे मैंने शादी की, /ातनीदं30। मैंने काम के माहौल में कभी ऐसे रिश्ते के बारे में नहीं सुना जहां कोई सहकर्मी इतनी निजी बातें जानता हो। कश्मीरा ने उन महिलाओं के लिए मर्डरर (हत्यारा) शब्द के इस्तेमाल के बारे में भी बात की जो अपने प्रियजनों के लिए खड़ी होती हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे पता है कि मैं एक मजबूत महिला हूं और मैंने मजबूत महिलाओं वाले परिवार में शादी की है। हमें अक्सर बदतमीज, घमंडी, हावी होने वाली, फोकस्ड, मतलबी कहा जाता है क्योंकि हम अपने परिवारों का ख्याल रखती हैं, लेकिन यह पहली बार है जब हमें मर्डरर कहा जा रहा है। तो अगर हर मां, पत्नी, बहन, मौसीध्बुआ और उनके कुत्तों को उस एक आदमी की रक्षा करने के लिए श्मर्डररश कहा जाता है जिसे वे प्यार करती हैं – चाहे वह पिता हो, पति हो, भाई हो या कुत्ता – तो ऐसा ही सही। शनिवार को कोमल ने खुद पर लगे श्घर तोड़ने वाली के आरोप पर एक पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, जो औरत सालों से अपने ही पति की जान लेने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बद्दुआएं किसी को नहीं लगतीं। जो घर पहले से ही टूटा हुआ हो, उसे कोई और नहीं तोड़ सकता। हमारे देश के लोग इतने बेवकूफ नहीं हैं कि वे कौवे के पीछे भागने लगें, सिर्फ इसलिए कि किसी ने उनसे कह दिया कि कौवा उनका कान ले गया है।

'महाकाव्य श्री रामायण कथा' को लेकर विवाद, निर्माताओं ने शुरू किया नया अभियान

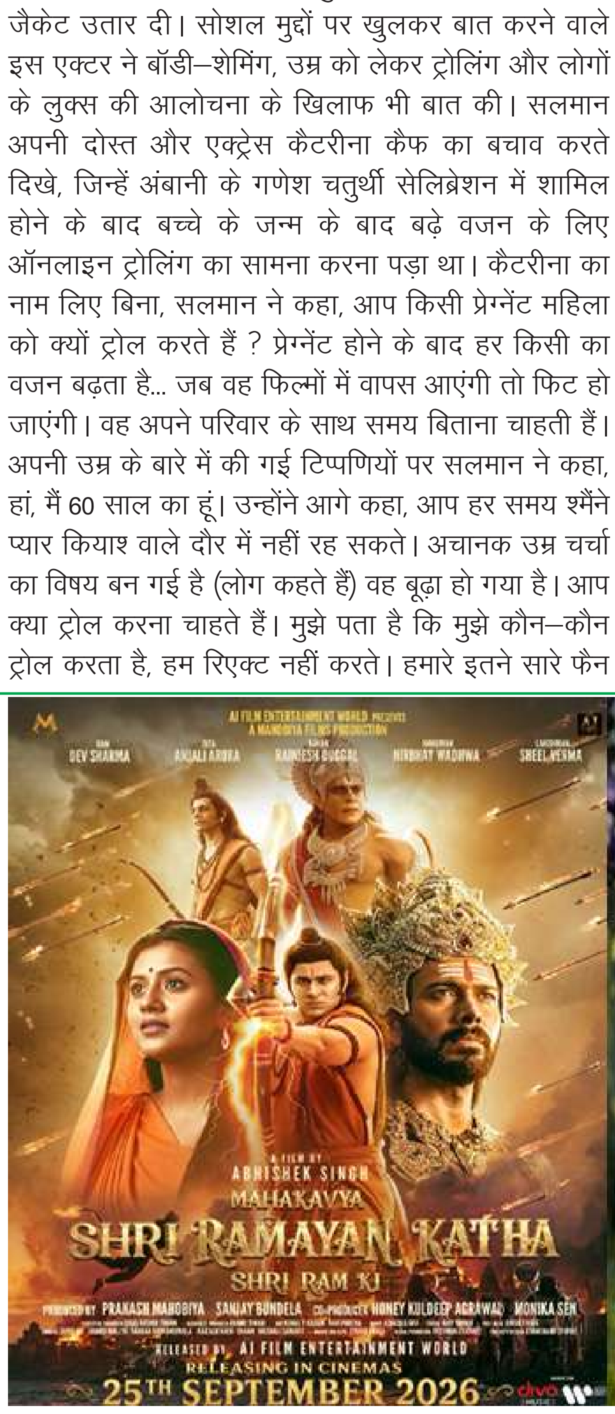

सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा दृ श्री राम की' को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं के बीच निर्माताओं ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म की टीम का दावा है कि सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी तस्वीरें और पोस्ट साझा की जा रही हैं, जो फिल्म के वास्तविक दृश्यों का हिस्सा नहीं हैं। निर्माताओं ने इसे लेकर नया अभियान शुरू किया है। इसके साथ ही दर्शकों के लिए 'एक टिकट खरीदें, दूसरा मुफ्त' का ऑफर भी पेश किया गया है। फिल्म के निर्माताओं का कहना है कि उनका मकसद वास्तविक आलोचना को रोकना नहीं है। दर्शकों को फिल्म पसंद आए या न आए, वे अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि, टीम ने उन तस्वीरों और दावों पर सवाल उठाए हैं, जिन्हें फिल्म के वास्तविक दृश्यों के रूप में सोशल मीडिया पर साझा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक तस्वीर में वानर सेना का एक पात्र चश्मा पहने दिखाई देता है। इस तस्वीर को लेकर फिल्म की काफी चर्चा हुई थी। निर्माताओं का कहना है कि यह फिल्म का वास्तविक दृश्य नहीं है, बल्कि प्रचार सामग्री का हिस्सा है। टीम ने दर्शकों से अपील की है कि अगर फिल्म में ऐसा कोई दृश्य दिखाई देता है, तो उसका स्क्रीनशॉट या सही समय साझा करें। निर्माताओं के मुताबिक, वे ऐसे दावों पर फिल्म के वास्तविक फुटेज के जरिए जवाब देंगे। फिल्म के निर्देशक अभिषेक सिंह ने कहा कि आलोचना फिल्म निर्माण का हिस्सा है और हर दर्शक की राय अलग हो सकती है। हालांकि, उनका मानना है कि किसी फिल्म पर राय उसे देखने के बाद ही बनानी चाहिए। उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने और उसके बाद अपनी प्रतिक्रिया देने की अपील की। फिल्म में श्रीराम की भूमिका निभा रहे देव शर्मा ने भी कहा कि दर्शकों को सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर अपनी राय बनाने के बजाय फिल्म देखकर खुद फैसला करना चाहिए। वहीं, माता सीता का किरदार निभाने वाली अंजलि अरोड़ा ने बताया कि उनकी कास्टिंग की घोषणा के बाद ही कुछ लोगों ने उनके अभिनय को लेकर राय बना ली थी। उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने के बाद प्रतिक्रिया देने की बात कही। रावण की भूमिका निभा रहे रजनीश दुग्गल ने भी फिल्म देखने के बाद उस पर चर्चा और आलोचना करने की बात कही। निर्माताओं के अनुसार, आने वाले दिनों में फिल्म के वास्तविक दृश्यों के साथ–साथ सिनेमाघरों में फिल्म देखने पहुंचे परिवारों और बच्चों की प्रतिक्रियाएं भी साझा की जाएंगी। टीम का कहना है कि वह दर्शकों को फिल्म से जुड़े विवादित दावों और वास्तविक फुटेज के बीच अंतर दिखाना चाहती है। फिल्म की टीम ने स्पष्ट किया है कि वह किसी से नकारात्मक समीक्षा हटाने या फिल्म की तारीफ करने की अपील नहीं कर रही है। उनका कहना है कि दर्शक फिल्म देखने के बाद अपनी राय देने के लिए स्वतंत्र हैं। इसी संदेश के साथ मेकर्स ने 'एक टिकट खरीदें, दूसरा मुफ्त' का ऑफर भी शुरू किया है, ताकि लोग परिवार और दोस्तों के साथ फिल्म देख सकें।

किसी पर निर्भर मत रहो... खुशबू पाटनी ने लड़कियों को समझाया आत्मरक्षा का तरीका

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी की बहन और पूर्व भारतीय सेना अधिकारी खुशबू पाटनी सोशल मीडिया पर अपने एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। बिहार के जमुई में सितंबर में सामने आए कथित उत्पीड़न के मामले के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर खुशबू ने लड़कियों को आत्मरक्षा से जुड़ी सलाह दी है। उन्होंने एक वीडियो में एयर पिस्टल के बारे में जानकारी दी और कहा कि लड़कियां इसकी ट्रेनिंग लेकर अपनी सुरक्षा खुद कर सकती हैं। बीते रविवार को खुशबू पाटनी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम खाते पर एक वीडियो साझा किया। इसमें वह एयर पिस्टल के इस्तेमाल और उसके काम करने के तरीके के बारे में जानकारी देती नजर आईं। उन्होंने बताया कि इस तरह की पिस्टल में बारूद या कारतूस की जगह कार्बन डाइऑक्साइड यानी सीओ2 के जरिए पेलेट को आगे बढ़ाया जाता है। खुशबू ने लड़कियों को सलाह दी कि अगर वे आत्मरक्षा के लिए एयर पिस्टल रखने का फैसला करती हैं, तो पहले इसकी पूरी ट्रेनिंग लें। उन्होंने यह भी कहा कि एयर पिस्टल को खिलौना समझकर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। खुशबू पाटनी ने वीडियो में कहा कि आत्मरक्षा के मामले में लड़कियों को किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। उन्होंने एयर पिस्टल की कीमत का भी जिक्र किया और इसे करीब 60 से 70 हजार रुपये की रेंज में बताया। हालांकि, उन्होंने साथ ही साफ किया कि किसी भी तरह के हथियार या एयर पिस्टल को खरीदने और इस्तेमाल करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी और जरूरी प्रशिक्षण लेना चाहिए। खुशबू पाटनी ने अपने वीडियो के कैप्शन में साफ किया कि उनकी बात केवल आत्मरक्षा और जानकारी देने के मकसद से है। उन्होंने एयर पिस्टल को खिलौना न समझने और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि एयर पिस्टल रखने वाले व्यक्ति को उसके सही इस्तेमाल की जानकारी होनी चाहिए। खुशबू ने स्थानीय विक्रेता और शूटिंग रेंज से जानकारी लेने की बात कही। साथ ही उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार ही किसी उत्पाद का चुनाव करने की सलाह दी।

शरवरी ने ये प्रेम मोल लिया के साथ फिर जगाया खास हिंदी फिल्म हीरोइन का जादू

शरवरी इन दिनों ये प्रेम मोल लिया के टाइटल ट्रैक पर अपने ग्रेसफुल डांस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर दर्शकों का दिल जीत रही हैं। इस वीडियो के जरिए वह क्लासिक बॉलीवुड म्यूजिक और रोमांस के प्रति अपने प्यार का जश्न मनाती नजर आ रही हैं। वीडियो के बारे में बात करते हुए शरवरी ने कहा, "बॉलीवुड के गाने और डांस वास्तव में उन बड़ी वजहों में से हैं, जिनकी वजह से मैं एक्टर बनना चाहती थी। मैं बचपन में दीदी तेरा देवर दीवाना में माधुरी मैम और मैया यशोदा में करिश्मा मैम और सोनाली मैम को देखती थी। घर आकर मैं इन्हीं गानों पर डांस करती थी और कल्पना करती थी कि एक दिन मैं भी पर्दे पर उसी तरह की हीरोइन बनूंगी। मुझे लगता है कि कहीं न कहीं, उन्हीं पलों ने मुझे बॉलीवुड के आइडिया से प्यार करना सिखाया। मुझे हमेशा से क्लासिक बॉलीवुड गानों का रोमांस, इमोशन और उनका बड़े पर्दे वाला जादू पसंद रहा हैकृजिस तरह एक गाने और डांस के जरिए पूरी कहानी कही जा सकती थी। इसलिए सूरज बड़जात्या जी की ये प्रेम मोल लिया के साथ उस अनुभव को जी पाना मेरे लिए बेहद खास है। ऐसा लगता है जैसे यह एक खूबसूरत फुल–सर्कल मोमेंट हैकृजिस तरह का बॉलीवुड देखते हुए मैं बड़ी हुई और जिसका सपना देखा, अब उसे जीने का मौका मिल रहा है। मैं इसके हर पल को दिल से एंजॉय कर रही हूं। शरवरी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, " इंटेरिंग माय सूरज बड़जात्या हीरोइन एरा विथ ये प्रेम मोल लिया", जो इस वीडियो की पूरी भावना को बयां करता है। यह वीडियो मासूमियत, रोमांस, स्त्रीत्व और क्लासिक हिंदी सिनेमा की खास विजुअल लैंग्वेज का जश्न मनाता है। इस गाने में आयुष्मान खुराना और शरवरी नजर आ रहे हैं। इसे हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है, जबकि श्रेया घोषाल और निहाल तौरो ने अपनी आवाज दी है। ये प्रेम मोल लिया के इस टाइटल ट्रैक को इसकी खास भारतीय मेलोडी, पारिवारिक जश्न और सूरज बड़जात्या के सिनेमा से जुड़ी नॉस्टैल्जिक विजुअल लैंग्वेज को लेकर भी दर्शकों के बीच मजबूत चर्चा मिल रही है।

शिशु को बार-बार बनती है गैस तो अजमाएं ये आसान सी घरेलू उपाय

छोटे शिशु को कई तरह की परेशानियां होती हैं जिसमें से एक मुख्य समस्या है गैस। कई बार शिशु अचानक से रोने लगता है पेरेंट्स को समझ में भी नहीं आता कि वह क्यों रो रहा है। ऐसे में माता–पिता भी घबरा जाते हैं। पेट में दर्द और गैस शिशु को कई कारण से हो सकती है। दूध पीते समय शिशु के पेट में हवा जाने के कारण या फिर ज्यादा मात्रा में दूध पीने से उन्हें यह समस्या हो सकती है। ऐसे में इसके कारण बच्चे बहुत ही परेशान हो जाते हैं। आज आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं जिनके जरिए आप शिशु के पेट में बनने वाली गैस की समस्या को दूर कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में. ...

गैस बनने के कारण

जल्दी–जल्दी दूध पिलाने के कारण दूध आसानी से नहीं पच पाता। इसके अलावा जो शिशु बोतल से दूध पीते हैं उन्हें भी गैस की समस्या हो सकती है। दूध पिलाने के बाद यदि शिशु को डकार न दिलवाया जाए तो भी गैस बनने लगती है। इसके अलावा यदि शिशु ज्यादा मिर्च मसाले वाला खाना खाते हैं तो भी यह समस्या उन्हें परेशान कर सकती है।

ऐसे दिलवाएं समस्या से राहत

जरुर दिलवाएं डकार

जब भी आप शिशु को दूध पिलाएं तो उसे डकार जरुर दिलवाएं। दूध पिलाने के बाद शिशु को अपने कंधे पर लेकर उसकी पीठ को धीरे–धीरे थपथपाएं। इससे उन्हें पेट में गैस नहीं बनेगी और वह समस्या से आसानी से निकल पाएंगे।

करवाएं ये एक्सरसाइज

कई बार शिशु को यदि गैस पास न हो तो भी वह रोने लगते हैं। ऐसे में इस समस्या से उन्हें बचाने के लिए शिशु को पीठ के बल लिटा दें इसके बाद उनके घुटनों को मोड़ते हुए पैरों को उठाएं। इसके बाद उनके पैरों को ऐसे मूव करवाएं जैसे वह साइकिल चला रहे हैं। पैरों को ऐसे चलाने से बच्चों के पेट में फंसी गैस आसानी से बाहर निकलेगी और उन्हें आराम मिलेगा।

हींग आएगी काम

शिशु के पेट में गैस बनने पर आप हींग का इस्तेमाल कर सकते हैं। हींग नानी–दादी के जमाने का आसान नुस्खा है इससे शिशु को गैस से भी आराम मिलेगा। शिशु के पेट के ऊपर हींग को गर्म पानी में मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर नाभि के आस–पास लगाएं। इससे उसके पेट की गैस दूर हो जाएगी।

सरसों के तेल से करें पेट की मालिश

शिशु को यदि पेट में बहुत दर्द हो रहा है तो आप सरसों के तेल से उसकी मालिश करें। सरसों के तेल को हल्का गर्म करके उसकी नाभि के आस–पास लगाएं। इस तरह दर्द से उन्हें काफी आराम मिलेगा।

सौंफ

सौंफ भी शिशु को गैस से राहत दिलवाने में मदद करेगी। 1 टेबलस्पूल सौंफ को 1 लीटर पानी के साथ उबाल लें। यह पानी बच्चे को दिन में 2–3 बार दें। समस्या से काफी आराम मिलेगा।

गर्म पानी से करें सिकाई

गर्म पानी से शिशु की सिकाई करने से भी उसे दर्द से काफी आराम मिलेगा। टॉवल को गर्म पानी में भिगोएं और शिशु के पेट में लगाएं। इस प्रक्रिया को 2–3 बार दोहराएं। दर्द से शिशु को आराम मिलेगा।

पेट के बल लिटा दें

यदि शिशु के पेट में गैस बन रही है तो आप उसे पेट के बल लिटा दें। इससे गैस आसानी से निकल जाएगी। 1–2 मिनट तक शिशु को इसी अवस्था में रखें। इससे उसे काफी आराम मिलेगा।

सुंदरता की दुश्मन है सेल्युलाईट स्किन! ये होममेड स्क्रब्स आपकी समस्या का कर सकते हैं हल

महिलाओं को वैसे तो कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है लेकिन सेल्युलाईट एक ऐसी समस्या है जिसके चलते शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। ज्यादातर महिलाओं के बट, थाइज, आर्म्घ्स या बेली पर सेल्युलाईट नजर आते हैं जो देखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते हैं। ये आपकी त्ध्वचा पर अधिक फैट इकट्ठा हो जाने के कारण नजर आत हैं। दरअसल फैट इकट्ठा होने से त्वचा स्ट्रेच होने लगती हैं, जिससे सेल्युलाईट उभर आते हैं।

महिलाओं को आती है कई परेशानी

सेल्युलाइट अक्सर जांघों और हिप्स पर अधिक देखने को मिलता है, जो महिलाओं की खूबसूरती को तो कम करता ही है साथ ही इससे जल्द छुटकारा भी नहीं मिलता है। इन दिनों बाजार में बहुत सी क्रीम्घ्स और प्रोडक्घ्ट्स उपलब्ध हैं जो सेल्युलाईट को कम करने का दावा करते हैं, लेकिन हम आपको ऐसे घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं जिन्हे अजमाकर आप अपनी खोई हुई खूबसूरती को वापस पा सकती हैं।

बेहद असरदार है कॉफी

सेल्युलाइट को खत्म करने के लिए सबसे असरदार है कॉफी। इसमें प्रचुर मात्रा में एंटी–ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, इससे ओवरऑल स्किन–टोन निखरता है। कॉफी स्क्रब से डेड स्किन हटती है और स्किन सॉफ्ट, फ्रेश और निखर कर आती है।

कॉफी स्क्रब बनाने का तरीका

पहले कॉफी बीन्स को गर्म पानी में भिगो लें। इसे क्रश कर के स्क्रब करने जितना पेस्ट बना लें।

ध्यान रहे आप इस्तेमाल किए गए कॉफी बीन्स का इस्तेमाल न करें, क्योंकि उसके तत्व पहले ही खत्म हो जाते हैं।

अगर आपकी ड्राई स्किन है तो इसमें गर्म कर के नारियल का तेल एड कर लें।

इसके पेस्ट का टेक्सचर आप अपने हिसाब से बनाएं जिससे आप अच्छे से स्क्रब कर सकें।

आप चाहें तो इसमें ब्राउन शुगर भी एड कर सकते हैं।

ड्राई ब्रशिंग

शॉवर लेने से पहले मसाज और एक्सफोलिएट के लिए आप ड्राई ब्रशिंग कर सकती है और इसके लिए आपको किसी क्रीम लोशन या स्क्रब की जरूरत नही पड़ेगी बस एक शुष्क ब्रश आपको सेल्युलाईट छुटकारा दिला सकता है।

जैतून का तेल और ग्लिसरीन

इसका पैक बनाने के लिए 2–3 बड़े चम्मच जैतून तेल,1 चम्मच चीनी, विटामिन ई तेल के 2 चम्मच, आधा कप कॉफी और 1 चम्मच ग्लिसरीन का लेकर पेस्ट बना लें। अब इस पैक को सेल्युलाईट क्षेत्रों पर लगाने के लिए पहले गर्म पानी से स्नान करें उसके बाद कुछ–कुछ मिनटों के लिए गोलाकार गति में मालिश करके धो लें। स्क्रब हुई जगह को प्लास्टिक की चादर से कवर कर ले और लगभग 10 मिनट के बाद ही उसको हटाए। कुछ समय बाद असर दिखने लगेगा।

त्वचा को मॉइस्चराइज करें

त्वचा को रोजाना मॉइस्चराइज करें। इससे न केवल त्वचा स्मूथ और जीवित होती है, बल्कि सेल्युलाईट की समस्या से भी छुटकारा मिलता है। इसके लिए आप नारियल तेल का सहारा ले सकते हैं। खासकर शुद्ध नारियल त्वचा के लिए वरदान साबित होता है।

सेब का सिरका

सेब का सिरका त्वचा में फंसे टॉक्सिन को निकालकर सेल्युलाइट स्किन को कम करने में मदद करता है। साथ ही इससे सूजन भी कम होती है। इसके लिए पानी और सेब के सिरके को बराबर मात्रा में मिलाकर लगाएं। इसके अलावा इसमें शहद मिलाकर पीने से भी सेल्यूलाइट को कम होती है।

डाईट में करे बदलाव

सेल्युलाईट का सबसे बड़ा कारण हार्मोन वृद्धि हो सकता है। तनाव होना, अधिक वजन भी सेल्युलाईट की समस्या को जन्म देता है। अगर आप भी इस परेशानी से जल्द छुटकारा पाना चाहते है तो आज से अपनी डाइट में इन चीजों को एड करना शुरू कर दें।

1. ब्लूबेरी

अगर आप सेल्युलाईट जैसी समस्या का समाधान चाहते हैं तो आज से अपनी डाइट में ब्लूबेरी को एड कर दें। ब्लूबेरी में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो इस बीमारी से लड़ने में कारगर होते हैं। इसके अलावा ब्लूबेरी में विटामिन–सी भी पाया जाता है जिससे आपकी स्किन को बहुत से फायदे मिलते हैं इससे स्किन स्ट्रोंग होती है और इससे सेल्युलाईट की समस्या भी कम होती है।

2. पपीता

पपीते में भरपूर पोटेशियम होता है जो इसके सेवन से भी आपको इस समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसलिए अपनी डाइट में पपीते को जरूर एड करें।

3. सतावर

आप अपनी डाइट में सतावर को भी एड करें इसे शतावरी भी कहते हैं। इसमें भरपूर फॉलिक एसिड होता है जिससे ये आपके शरीर के स्ट्रेस को कम करता है। इससे आपकी बॉडी में सर्कूलेशन तेज होता है।

4. केला

सेल्युलाईट की समस्या को कम करने में केला भी काफी कारगर है। आप ये तो जानते ही हैं कि केले में पोटेशियम होता है जो कि सेल्युलाईट की समस्या को कम करने में मदद करता है।

5. अनानास

अनानास शरीर में जल जमाव से बचने में मदद करता है, आपके शरीर को जहरीले पदार्थों से छुटकारा दिलाता है। इसमें विटामिन सी भी होता है और यह वजन कम करने में आपकी सहायता करता है।

इन बातों का भी रखें ख्याल

नियमित एक्सरसाइज करें

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने से फैट जलता है और सेल्युलाइट के उभार में कमी आती है।

खूब पानी पिएं

पानी पीने से शरीर की कई समस्याएं कम होती हैं। अधिक पानी पीने से सर्कुलेशन अच्छा होता है, सूजन कम होती है और आपकी त्वचा स्मूद होती है।

चीनी का परहेज करें

अपने आहार में चीनी का प्रयोग कम से कम करें, क्योंकि चीनी से शरीर में इंसुलिन बनता है, जो फैट को स्टोर करने के साथ–साथ सेल्युलाइट बनाने का काम भी करती है।

लड़कियां अपनी खूबसूरती बनाए रखने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करती हैं। परंतु चेहरे की चमक होने के साथ–साथ नाखूनों को भी खास देखभाल की जरुरत होती है। यदि नाखूनों की अच्छे से देखभाल न की जाए तो यह कमजोर होने लगते हैं। आज आपको कुछ ऐसे ऑयल्स बताएंगे जो नाखूनों को मजबूत और शाईनी बनाने में मदद करेंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

वैसलीन और एसेंशियल ऑयल

एसेंशिय ऑयल को नाखूनों पर इस्तेमाल करने के लिए आप वैसलीन और शिया बटर को साथ में इस्तेमाल करें। तीनों चीजों को साथ में मिक्स करें। मिश्रण को मिक्स करके नाखून और उसके आस–पास क्यूटिकल्स पर लगाएं। 15 मिनट के बाद नाखूनों की हल्के हाथों से मालिश करें। पूरी रातभी आप मिश्रण को नाखूनों पर लगा सकते हैं। अगली सुबह उठकर नाखून साफ कपड़े से साफ कर लें। क्यूटिकल्स मजबूत होने लगेंगे।

विटामिन–ई और नारियल का तेल

विटामिन–ई और नारियल के तेल से तैयार मिश्रण आप नाखूनों पर लगाया सकते हैं। नारियल के तेल में विटामिन–ई का कैप्सूल डालें। दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करके 15–20 मिनट के लिए नाखूनों पर लगाएं। त समय के बाद नाखून सादे पानी से धो लें। इसके बाद सूखे कपड़े से नाखून साफ कर लें। इससे नाखून चमकदार भी बनेंगे और मजबूत भी दिखने लगेंगे।

नारियल का तेल और कैस्टर ऑयल

नारियल के तेल और कैस्टर ऑयल भी आप नाखूनों को मजबूत बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। कैस्टर ऑयल में नारियल तेल मिक्स करके नाखूनों पर लगाएं। 15–20 मिनट तक मिश्रण को नाखूनों पर लगाएं। तय समय के बाद सादे पानी ने नाखून धो लें। इससे यह मजबूत भी बनेंगे और चमकदार भी दिखेंगे।

तिल का तेल और नारियल तेल

ये 5 तेल बढ़ाएंगे नाखूनों की मजबूती, शाईनी और मजबूत नेल्स के लिए ऐसे करें इस्तेमाल

नारियल तेल में तिल का तेल मिलाकर आप नाखूनों पर लगा सकते हैं। नारियल तेल की कुछ बूंदें तिल के तेल के साथ मिलाएं। तैयार मिश्रण को नाखूनों और अपने क्यूटिकल्स पर अच्छे से लगा लें। रात भर मिश्रण को नाखूनों पर रहने दें। तय समय बाद साफ कपड़े से नाखून धो लें। इससे नाखून लंबे भी दिखेंगे और मजबूत भी नजर आएंगे। वैसलीन के साथ नारियल का तेल नारियल के तेल में वैसलीन मिलाकर भी आप नाखूनों पर लगा सकते हैं। इन दोनों चीजों को नाखूनों पर लगाने से कई तरह की समस्याएं दूर होगी। नारियल तेल में वैसलीन मिलाकर 15–20 मिनट तक नाखूनों पर लगाएं। तय समय बाद सूखे कपड़े से नाखून साफ कर लें। इससे नाखून मजबूत भी बनेंगे और शाईनी भी नजर आएंगे। नोट– ये तेल आप नाखूनों को मजबूत बनाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं परंतु यदि आपके नाखून कमजोर हैं तो एक बार डॉक्टर को जरुर दिखा लें।

संक्षिप्त

देश के 7 शहरों में Housing Sales 3% बढ़कर 1 लाख पार, ANAROCK ने जारी किए आंकड़े

देश के सात प्रमुख शहरों में जुलाई–सितंबर के दौरान मकानों की बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर एक लाख इकाई से अधिक हो गई। मुंबई महानगर क्षेत्र, बेंगलुरु और हैदराबाद में मजबूत मांग इसकी मुख्य वजह रही। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी अनारॉक ने यह जानकारी दी। अनारॉक के अनुसार, मूल्य के लिहाज से जुलाई–सितंबर के दौरान कुल बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.52 लाख करोड़ रुपये थी। गौरतलब है कि रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स कंपनी 'प्रॉपइक्विटी' ने पिछले सप्ताह कहा था कि जुलाई–सितंबर तिमाही में कुल बिक्री छह प्रतिशत घटकर 1.03 लाख इकाई रह गई। रियल एस्टेट सलाहकार अनारॉक ने सोमवार को जुलाई–सितंबर तिमाही के प्राथमिक आवासीय बाजार के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों के अनुसार, सात प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्तियों की औसत कीमत में सामूहिक रूप से सालाना सात प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस साल जुलाई–सितंबर के दौरान आवासीय संपत्तियों की बिक्री 1,00,220 इकाई रही, जो पिछले साल की समान अवधि में 97,080 इकाई थी। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु और हैदराबाद में बिक्री बढ़ी जबकि दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), पुणे, चेन्नई और कोलकाता में बिक्री में गिरावट आई। रियल एस्टेट सलाहकार अनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि वर्ष 2026 की तीसरी (जुलाई–सितंबर) तिमाही में शीर्ष सात शहरों में कुल बिक्री में एमएमआर और बेंगलुरु की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत रही। इन सात शहरों में वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में करीब 1,14,320 आवासीय इकाइयां पेश की गईं, जबकि 2025 की तीसरी तिमाही में 96,690 इकाइयां पेश की गई थीं। इस तरह इसमें सालाना 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अनारॉक के पुरी ने कहा, '' आगामी त्योहारों के मद्देनजर आवासीय मांग बढ़ने की उम्मीद है। इससे जुलाई–सितंबर तिमाही में देखी गई तेजी को और गति मिलेगी।

अल नीनो से रबी फसलों पर असर पड़ने की आशंका, कृषि सचिव ने चेताया

कृषि सचिव अतीश चंद्रा ने सोमवार को कहा कि अल नीनो के कारण वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए आगामी रबी फसल सत्र चुनौतीपूर्ण हो सकता है और उससे खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। चंद्रा ने रबी सत्र की तैयारियों पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि खासकर वर्षा आधारित क्षेत्रों में खरीफ सत्र भी काफी चुनौतीपूर्ण रहा। कई राज्यों को पहले फसल का रकबा बढ़ाने और बाद में फसल को बचाए रखने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। गेहूं और सरसों जैसी रबी फसलों की बुवाई अक्टूबर में शुरू होती है। उन्होंने कहा, ''हम देख रहे हैं कि आगामी सत्र में उत्पादन काफी हद तक प्रभावित हो सकता है। रबी सत्र भी वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए चुनौतीपूर्ण रहेगा।'' चंद्रा ने कहा कि कुछ राज्यों को मिट्टी में अत्यधिक नमी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है, जबकि कम बारिश वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक नमी की कमी का असर रह सकता है। उन्होंने कहा कि रबी सत्र के लिए इसी के अनुरूप रणनीति तैयार करने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन को वास्तविकता बताते हुए चंद्रा कहा कि सिंचाई वाले क्षेत्रों में भी कई जगह बेमौसम तथा भारी बारिश हुई है जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, ''हम सोचते थे कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना बाद में करना होगा। हालांकि, अब हम बदलाव होते देख रहे हैं और ये बदलाव बहुत तेजी से हो रहे हैं।'' चंद्रा ने कहा कि भारत ने अनाज के मामले में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है, लेकिन वह अब भी दाल, तिलहन और फलों जैसे कुछ बागवानी उत्पादों का आयात करता है। उन्होंने बताया कि रबी फसलों की आम तौर पर कुल करीब 638 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई होती है। इसमें 300 लाख हेक्टेयर से अधिक में गेहूं, 140 लाख हेक्टेयर में दाल, 87 लाख हेक्टेयर में तिलहन और 55 लाख हेक्टेयर में मोटे अनाज बोए जाते हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज मुंबई के मरीन लाइंस में बनाएगी लक्जरी प्रोजेक्ट, 6000 करोड़ का अनुमानित राजस्व

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड अपनी विस्तार योजना के तहत मुंबई में 2.5 एकड़ में फैली लक्जरी आवासीय परियोजना का संयुक्त रूप से विकास करेगी। इस परियोजना से करीब 6,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की संभावना है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने दक्षिण मुंबई के मरीन लाइंस में करीब 2.5 एकड़ के प्रमुख भूखंड के लिए ''विकास समझौता'' किया है। गोदरेज प्रॉपर्टीज इस भूखंड पर लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करेगी, जिससे ''कुल मिलाकर करीब 6,000 करोड़ रुपये का अनुमानित राजस्व'' मिलने की संभावना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडे ने कहा, ''मुंबई हमारे लिए लगातार एक प्रमुख बाजार बना हुआ है और शहर में हमारी प्रीमियम एवं लक्जरी परियोजनाओं को लगातार अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।'' मैन इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एमआईसीएल) ने अलग बयान में बताया कि उसने इस आगामी परियोजना के लिए गोदरेज प्रॉपर्टीज के साथ साझेदारी की है। एमआईसीएल और श्रीपति समूह के पास संयुक्त रूप से मौजूद विकास अधिकार अब गोदरेज प्रॉपर्टीज को हस्तांतरित कर दिए गए हैं। एमआईसीएल का गोदरेज प्रॉपर्टीज के साथ राजस्व साझा करने का समझौता है। एमआईसीएल समूह के प्रबंध निदेशक मनन शाह ने कहा, ''दक्षिण मुंबई की मरीन लाइंस परियोजना हमेशा से हमारे खंड में सबसे प्रतिष्ठित अवसरों में से एक रही है। गोदरेज के साथ हुए इस लेनदेन से परियोजना की पूरी क्षमता का इस्तेमाल हो सकेगा।'' संपत्ति सलाहकार 'इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी' और रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स कंपनी 'सीआरई मैट्रिक्स' के अनुसार, मुंबई में 10 करोड़ रुपये या इससे अधिक कीमत वाले लक्जरी मकानों की बिक्री इस साल की पहली छमाही में 12 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 18,512 करोड़ रुपये हो गई। इसमें बिक्री की मात्रा बढ़ने के साथ कीमतों में वृद्धि का भी योगदान रहा।

टीम इंडिया की जीत ही मुख्य लक्ष्य, 15,000 ODI Runs पूरे करने पर बोले विराट कोहली

वेस्ट इंडीज़ के ख़िलाफ़ पहले वनडे में मैच जिताऊ शतक लगाने के बाद, भारतीय बल्लेबाज़ी के सुपरस्टार विराट कोहली और कप्तान शुभमन गिल ने अपनी आपसी बॉन्डिंग के बारे में बात की। अनुभवी खिलाड़ी कोहली ने भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान की लीडरशिप और बल्लेबाज़ी की तारीफ़ की, वहीं गिल ने बचपन में कोहली को अपना आदर्श मानने से लेकर मैदान पर उनके साथ पार्टनरशिप करने तक के अपने सफ़र के बारे में बताया। रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में, विराट के 86वें इंटरनेशनल शतक (जिससे उन्होंने वनडे में 15,000 रन का आंकड़ा भी पार किया) और गिल के सधे हुए शतक की मदद से भारत ने 299 रन के मुश्किल लक्ष्य को आठ ओवर से ज़्यादा बाकी रहते और आठ विकेट हाथ में रहते हुए हासिल कर लिया। ठब्ब् के शेयर किए गए एक वीडियो में, गिल ने तिरुवनंतपुरम में एक और शतक लगाने और कोहली के साथ शतकीय साझेदारी करने के बारे में बात की। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ़ यह कारनामा किया था। उन्होंने कहा कि यहां पाजी के साथ बैटिंग करने में मज़ा आया। मैंने यहां (तिरुवनंतपुरम में) उनके साथ दो बार बैटिंग की है। दोनों बार हमारी 100 रन की साझेदारी हुई और हमने शतक लगाए। बहुत खुशी है; बड़े होते हुए मैंने कभी नहीं सोचा था कि जब विराट भाई अपने 15,000 व्क् रन पूरे करेंगे, तो मैं उनके साथ होऊंगा। उन्हें देखने और अपना आदर्श मानने से लेकर उनके साथ क्रीज़ पर रहने और उन पलों को साझा करने तक, मुझे लगता है कि यह सफ़र अब तक बहुत अच्छा रहा है, और मुझे उम्मीद है कि हम और भी यादें बनाएंगे। भारतीय कप्तान ने कोहली की बैटिंग में हाल के समय में दिखे आराम और आत्मविश्वास के बारे में भी बात की। हम सब देख सकते हैं कि विराट भाई अभी अपनी बैटिंग

का कितना मज़ा ले रहे हैं। जिस आसानी और आत्मविश्वास के साथ वे अभी बैटिंग कर रहे हैं, वह मैदान के बाहर और अंदर दोनों जगह दिखता है। 15,000 रन का माइलस्टोन छूने पर कोहली ने कहा कि भले ही यह एक बड़ा आंकड़ा है, लेकिन उनका मुख्य फोकस हमेशा टीम को जिताने पर रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी खिलाड़ी सिर्फ़ अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के पीछे भागकर लंबा करियर नहीं बना सकता। उन्होंने कहा कि अगर आप इसे आंकड़ों के नज़रिए से देखें, तो यह एक बड़ा आंकड़ा है। लेकिन लक्ष्य सीधा हैरू मुश्किल हालात से टीम को जीत दिलाना। मैंने सालों से यही करने की कोशिश की है। आप इतने लंबे समय तक तभी खेल सकते हैं जब आप टीम को जिताना चाहते हों। आप सिर्फ़ आंकड़ों के लिए लंबे समय तक नहीं खेल सकते। अगर आप आंकड़ों के पीछे भागेंगे, तो मुख्य लक्ष्य से समझौता कर बैठेंगे। मैं खुशकिस्मत हूँ कि इतने लंबे समय से इस स्थिति में हूँ, और एक और जीत के साथ इस बड़े आंकड़े को छूना वाकई खास है।

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए 18 सदस्यीय टीम चुनी, कगिसो रबाडा की वापसी

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डरबन में होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए 18 सदस्यीय शुरुआती टीम का ऐलान कर दिया है। स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा चोट के बाद टीम में लौटे हैं, जबकि एनरिक नॉर्टजे की भी वापसी हुई है। हेड कोच शुकरी कॉनराड के अनुसार इंट्रा–स्क्वाड मैच के बाद अंतिम 15 खिलाड़ी चुने जाएंगे। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज़ के लिए मंच तैयार है। वनडे सीरीज़ खत्म होने के बाद, दोनों टीमें तीन टेस्ट मैचों में आमने–सामने होंगी। पहला टेस्ट 9 अक्टूबर को डरबन के किंग्समीड में शुरू होगा। मैच से पहले, CSA (क्रिकेट साउथ अफ्रीका) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ पहले टेस्ट के लिए प्रोटियाज़ की शुरुआती 18–सदस्यीय टीम का ऐलान किया। मेज़बान टीम के लिए एक बड़ी अच्छी खबर यह है कि स्टार तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा को टीम में शामिल किया गया है; वे चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। रबाडा के अलावा, एनरिक नॉर्टजे मार्च 2023 के बाद अपना पहला टेस्ट खेल सकते हैं। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि टीम में शामिल किए जाने के बावजूद, इस बात पर संदेह है कि क्या रबाडा पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग XI में जगह बना पाएंगे या नहीं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका द्वारा टीम की घोषणा के बाद, टीम के हेड कोच शुकरी कॉनराड ने टीम के गठन पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि पहले टेस्ट से पहले, टीम ज़बरदस्त ट्रेनिंग और टीम के अंदर ही कुछ मैच खेलेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि मौजूदा WTC चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ पहले टेस्ट में कैसा प्रदर्शन करते हैं। इससे मैनेजमेंट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग XI तय करने में मदद मिलेगी। CSA की एक रिलीज़ के अनुसार, शुकरी कॉनराड ने कहा कि हमारे पास ट्रेनिंग के लिए कुछ दिन, दो दिन का इंट्रा–स्क्वाड मैच और हालात के हिसाब से ट्रेनिंग का मौका होगा, जिससे हमें अपनी फ़ाइनल 15 खिलाड़ियों की टीम चुनने से पहले ग्रुप और हालात को समझने का मौका मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि बड़ा बॉलिंग ग्रुप होने से हमें हर तरह की स्थिति से

निपटने में आसानी होती है। हमारे पास टीम में कई विकल्प हैं और अगले हफ़्ते हमें यह तय करने का मौका मिलेगा कि कौन से कॉम्बिनेशन हालात के हिसाब से सबसे अच्छे रहेंगे। साउथ अफ्रीका की शुरुआती टेस्ट टीमः टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्केस एकरमैन, डेविड बेडिंगहम, कॉर्बिन बॉश, गेराल्ड कोएत्ज़ी, टोनी डी ज़ोरज़ी, साइमन हार्मर, मार्को जानसेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथुसामी, एनरिक नॉर्टजे, डेन पैटरसन, कगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन।

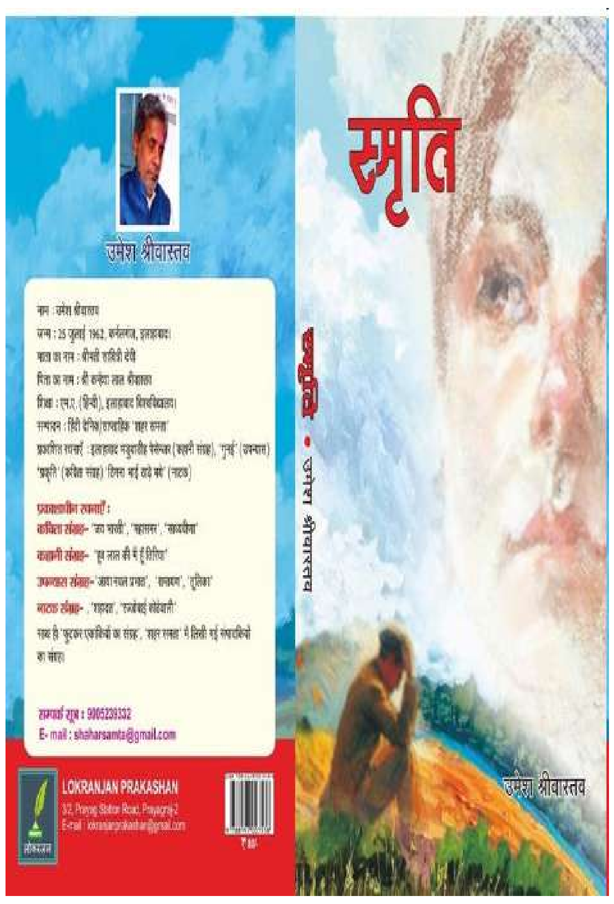

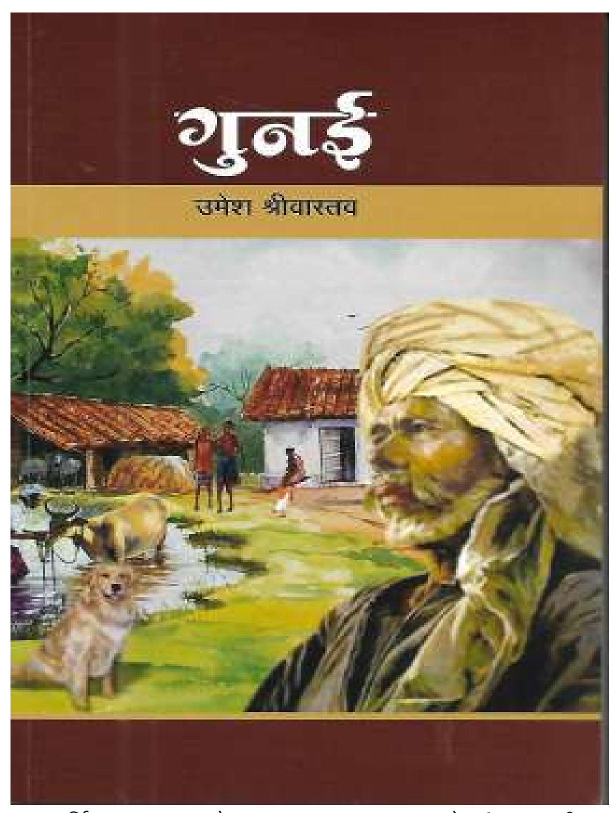

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

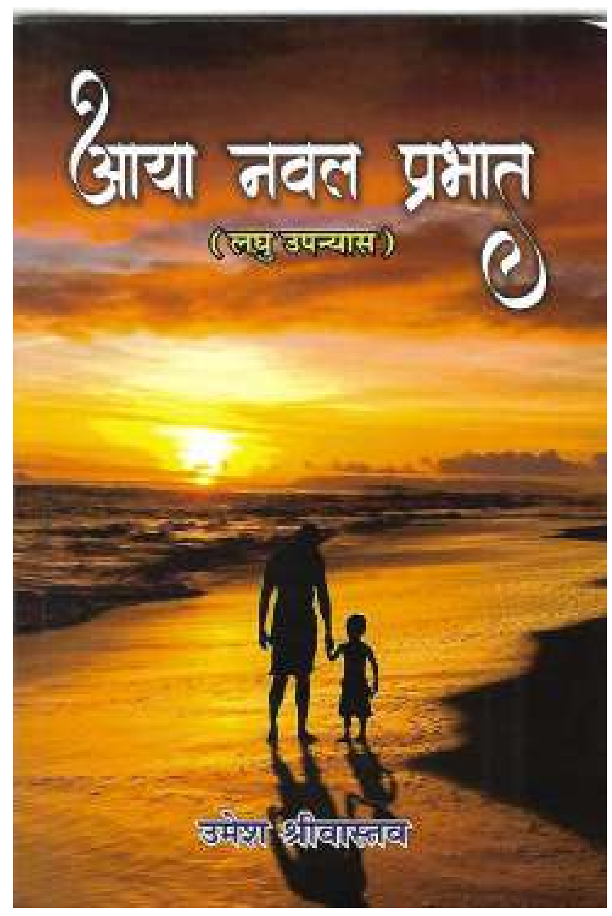

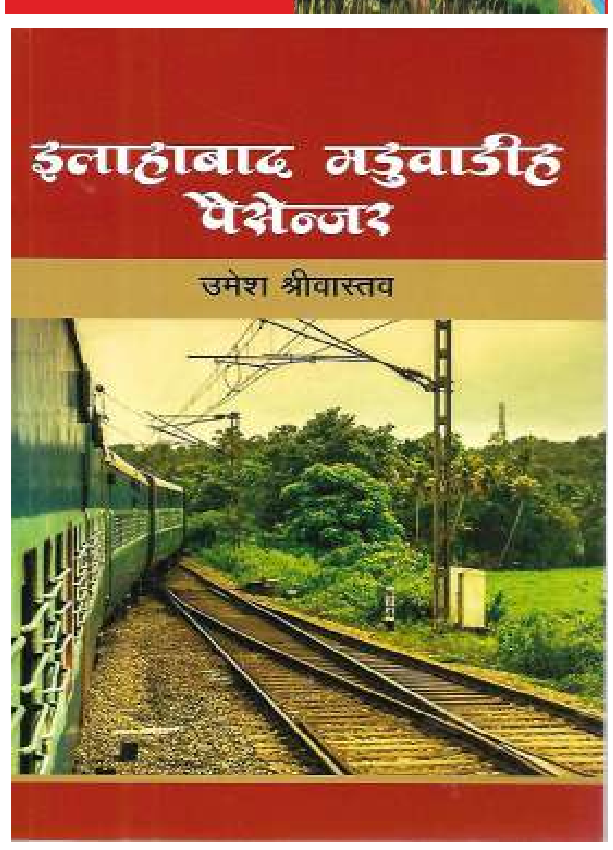

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

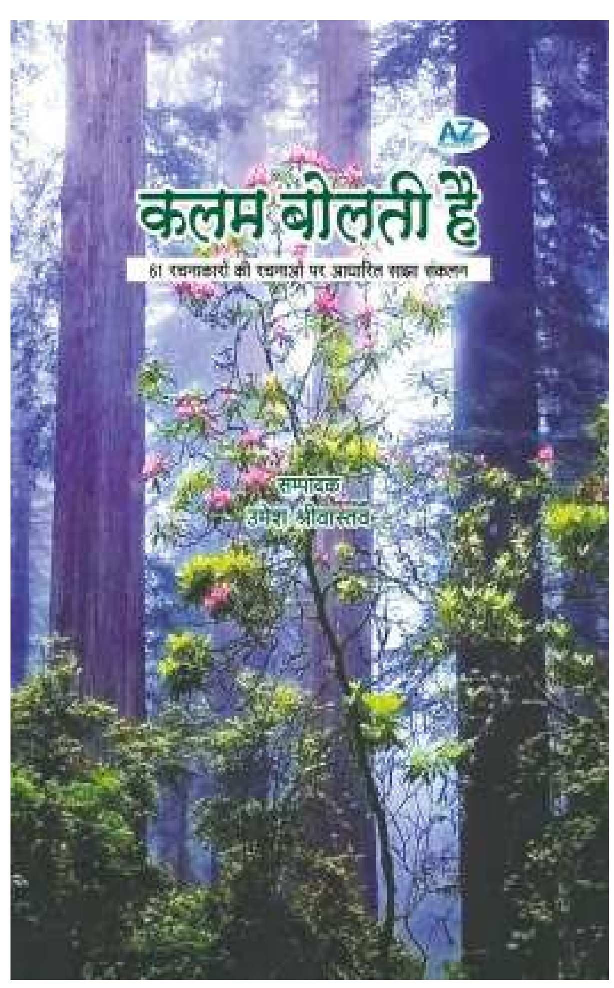

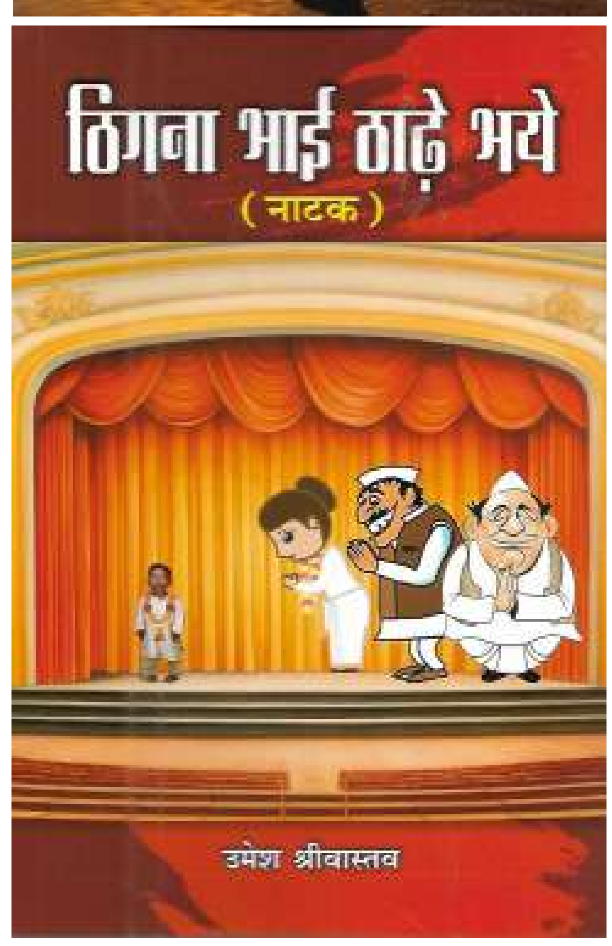

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

डोनाल्ड ट्रंप और एंथ्रोपिक सीईओ डारियो अमोदेई के बीच डिनर की योजना

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) से जुड़ी चुनौतियों को लेकर दुनियाभर में चिंता जताए जाने के बाद क्षेत्र की प्रमुख कंपनी 'एंथ्रोपिक' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डारियो अमोदेई के साथ रात्रिभोज की योजना बनायी है। अमोदेई सैन्य क्षेत्र में एआई के संभावित इस्तेमाल को लेकर ट्रंप प्रशासन से मतभेद जता चुके हैं। ट्रंप ने मैरीलैंड स्थित 'ज्वाइंट बेस एंड्रयूज' लौटने के बाद संवाददाताओं से कहा कि वह अमोदेई के साथ रात्रिभोज करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब रक्षा मंत्रालय के कामकाज में 'एंथ्रोपिक' के उत्पादों के इस्तेमाल पर रोक से जुड़े एक मामले में कंपनी को दो दिन पहले ही अदालत से झटका लगा था। एआई कंपनी और 'पेंटागन' (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय) के बीच विवाद फरवरी में उस समय शुरू हुआ था जब ट्रंप और अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'एंथ्रोपिक' पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया था और कंपनी को आपूर्ति शृंखला के लिए जोखिम घोषित कर दिया था। एक संघीय अपीलीय अदालत ने सरकार द्वारा 'एंथ्रोपिक' को आपूर्ति शृंखला के लिए जोखिम घोषित किए जाने को चुनौती देने वाली कंपनी की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। इस फैसले के बाद पेंटागन अपने सिस्टम से 'एंथ्रोपिक' के 'क्लॉड' एआई मॉडल हटाना जारी रख सकता है। अमोदेई ने चिंता जताई है कि उनकी कंपनी के एआई मॉडल का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर निगरानी करने या ऐसे हथियारबंद स्वायत्त ड्रोन के लिए हो सकता है जो बहुत कम या बिना मानवीय नियंत्रण के काम करें। उन्होंने इस पर अपना रुख नरम करने से इनकार किया। ट्रंप एआई के प्रबल समर्थक रहे हैं और अक्सर कहते रहे हैं कि प्रौद्योगिकी की इस दौड़ में अमेरिका को चीन से आगे रहना चाहिए जबकि अमोदेई ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि एआई उद्योग को विकास की अपनी तेज रफ्तार कुछ धीमी करनी चाहिए ताकि सुरक्षा उपायों को उसके अनुरूप विकसित होने का समय मिल सके। अमोदेई ने चेतावनी दी थी कि ऐसा नहीं किया गया तो छह से 12 महीने के भीतर एआई ऐसे एजेंटों के समूह को संचालित करने में सक्षम हो सकता है जो पूरे इंटरनेट पर नियंत्रण कर सके। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब एआई को लेकर उद्योग के भीतर और बाहर चिंताएं बढ़ रही हैं। ऐसी अधिक शक्तिशाली प्रणालियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं जो मनुष्य की क्षमता से परे समस्याओं का समाधान कर सकती हैं, लेकिन उनके नियंत्रण से बाहर होकर नुकसान पहुंचाने वाले काम करने की आशंका भी बढ़ रही है।

अस्पताल पर बमबारी के बाद मलबे से बाहर निकाला गया... मोजतबा खामनेई को लेकर क्या बड़ा खुलासा हुआ?

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई तेहरान पर हुए अमेरिकी हमलों के दूसरे दौर में बच गए। इससे पहले, शुरुआती हमलों में उनके पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी और मोजतबा घायल हो गए थे। 56 वर्षीय मोजतबा को अमेरिका–ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है, जिससे उनकी सेहत और ठिकाने को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। ईरान की असेंबली ऑफ़ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसिन हैदरी ने कहा कि हमलों के बाद मोजतबा को तेहरान के एक अस्पताल ले जाया

गया था, लेकिन जब उस अस्पताल पर बमबारी हुई तो वे एक और हमले की चपेट में आ गए। हैदरी ने कतरी टेलीविज़न नेटवर्क अल अरबी को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि बाद में उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया। हेदरी ने कहा उनके घायल होने और अस्पताल ले जाए जाने के बाद भी तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी की गई। मोजतबा खामेनेई तीसरे अस्पताल में थे और उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा कि मोजतबा ज़िंदा हैं और अभी भी ज़िम्मेदारी संभाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम लीडर के ठिकाने को लेकर गोपनीयता बरतना ज़रूरी था क्योंकि अमेरिकी और इज़राइली सेनाओं ने ईरान के वरिष्ठ नेताओं और कमांडरों को निशाना बनाया था। इस बीच, धर्मगुरु हैदरी ने कहा कि असेंबली ऑफ़ एक्सपर्ट्स को जानकारी मिली थी कि जब उन्होंने मुज्तबा को चुना, तो वह स्वस्थ थे और ईरान का नेतृत्व करने में सक्षम थे। मुज्तबा को पर्दे के पीछे रहने वाला व्यक्ति बताते हुए, हैदरी ने कहा कि सुप्रीम लीडर बनने से पहले खमेनेई के छोटे बेटे ने कोई औपचारिक राजनीतिक पद नहीं संभाला था। मुज्तबा पहले अपने पिता के सलाहकार के तौर पर काम कर चुके थे। मुज्तबा को उनके पिता की मौत के 10 दिन बाद, 8 मार्च को ईरान का सुप्रीम लीडर घोषित किया गया। देश के सुप्रीम लीडर को चुनने की ज़िम्मेदारी संभालने वाली श्असेंबली ऑफ़ एक्सपर्ट्सश ने अली खमेनेई के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच एक गुप्त बैठक की। हैदरी ने बताया कि अमेरिकी हमलों में असेंबली के क़ोम स्थित सचिवालय को भी निशाना बनाया गया था, जिसमें आठ लोग मारे गए और उत्तराधिकार प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज़ नष्ट हो गए। उन्होंने बताया कि बाद में सदस्यों ने कागज़ पर अपने वोट लिखे और उन्हें एक गुप्त बैठक के लिए बुलाया गया, जिसके स्थान या उद्देश्य के बारे में उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

डोनाल्ड ट्रंपा का दावा: ईरान से जंग खत्म होते ही गिरेंगे तेल की कीमतें, न्यूक्लियर हथियार पर रोक मुख्य लक्ष्य

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भरोसा जताया कि ईरान के साथ चल रहे टकराव में बहुत जल्द जीत मिलेगी, साथ ही उन्होंने यह भी माना कि अमेरिका के मध्यावधि चुनावों से पहले नए सैन्य हमले संभव हैं। रविवार (स्थानीय समय) को च्ळ। टूर प्रेसिडेंट्स कप के दौरान फॉक्स न्यूज़ से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि इस टकराव के खत्म होने से दुनिया भर में तेल की कीमतें तेज़ी से गिरेंगी। उन्होंने दोहराया कि तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना अमेरिका का मुख्य मकसद है। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज़ से कहा मुझे लगता है कि हम यह युद्ध बहुत जल्द जीत लेंगे, और जैसे ही हम जीतेंगे, तेल की कीमतें गिर जाएंगी। उतनी ही नीचे आ जाएंगी जितनी युद्ध से पहले थीं। जब उनसे खास तौर पर पूछा गया कि क्या आने वाले मिड–टर्म चुनावों से पहले मिलिट्री स्ट्राइक फिर से शुरू हो सकती हैं, तो ट्रंप ने इस विकल्प को खारिज नहीं किया। ट्रंप ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। मेरा मतलब है, यह मुमकिन है, लेकिन मैं बस ऐसा कहना नहीं चाहता। अमेरिकी नीति के मुख्य फोकस पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा और अहम बात यह है कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार नहीं होगा, और बताया कि न्यूक्लियर डेटरेंस (परमाणु प्रतिरोध) पूरी बात के लिए अहम था। जब ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के बारे में पूछा गया और यह भी कि क्या अमेरिका मिलिट्री दबाव या आर्थिक प्रतिबंधों के ज़रिए सफल हो रहा है, तो ट्रंप ने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका दोनों मोर्चों पर तरक्की कर रहा है। ट्रंप ने कहा मुझे लगता है कि दोनों। मुझे लगता है कि हम दोनों तरीकों से जीतेंगे। मिलिट्री के नज़रिए से तो हम असल में जीत ही चुके हैं और आगे कहा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमने वह रोक दिया है। आर्थिक दबाव के असर पर बात करते हुए, ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। ट्रंप ने कहा हम निश्चित रूप से बहुत बड़ी जीत हासिल कर रहे हैं। अगर आप उनकी अर्थव्यवस्था को देखें, तो वह खत्म हो चुकी है। उनके पास कोई अर्थव्यवस्था नहीं है। ईरान की करेंसी के गिरने और घरेलू कीमतों में भारी बढ़ोतरी का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा, ष्उनके पैसे की कीमत, जैसा कि वे कहते हैं, बेकार हो गई है। हमारे यहाँ महंगाई है। उनके यहाँ अब महंगाई लगभग 300ः है। मैंने आज सुबह सुना कि यह 318ः है। 300, यानी उनका पैसा खत्म हो चुका है, उनकी अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है, उनकी मिलिट्री खत्म हो चुकी है। वे मुश्किल में हैं।

ब्रिटेन में यूएस बेस पर बड़ा हमला, 5 आतंकी गिरफ्तार, ईरान पर शक!

दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड का शांत ग्लॉस्टर शायर इलाका रात के करीब 12रू45 अचानक सायरन की गूंज और हथियार बंद ब्रिटिश कमांडोज़ की हलचल ब्रिटेन की धरती पर अमेरिकी सैन्य एयरबेस आरएएफ फेयरफोर्ड के ठीक बाहर तीन संदिग्ध गाड़ियां रुकती हैं और देखते ही देखते पांच संदिग्धों को दबोच लिया जाता है। आसपास के करीब 50 ही घरों को रातों–रात खाली कराया जाता है। 400 मीटर के इलाके की घेराबंदी होती है और सेना का बम डिस्पोजल स्क्वाड रोबोट के साथ मौके पर पहुंचता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान आता है कि यह लोग किसी बहुत बड़े नुकसान की फिराक में थे और दोनों देशों की एजेंसियां लंबे समय से इन पर नजर रखे हुए थी। आखिर ब्रिटेन में यूएस बेस के पास पकड़े गए यह पांच लोग कौन हैं?

इनकी वैन में क्या था? सबसे बड़ा सवाल इस पूरी साजिश की सुई ईरान की तरफ क्यों घूम रही है?

दरअसल पूरी कहानी शुरू होती है 27 सितंबर की देर रात। ब्रिटिश काउंटर टेररिज्म पुलिस को खुफिया इनपुट मिलता है कि तीन संदिग्ध गाड़ियां सीधे आरएएफ फेयर फोर्ड एयरबेस की तरफ बढ़ रही हैं। चलिए अब जान लेते हैं कि 27 सितंबर की आधी रात को क्या हुआ। सबसे पहले पुलिस बिना किसी देरी के गाड़ियों को एयरबेस के करीब रोकती है और पांचों लोगों को हिरासत में ले लेती है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए 400 मीटर का सुरक्षा घेरा बनाया जाता है और आसपास रह रहे 85 परिवारों को तुरंत सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया जाता है। मौके की तस्वीरों में साफ देखा गया कि एक रिमोट कंट्रोलोल्ड बम डिस्पोजल रोबॉट सफेद रंग की वैन की जांच कर रहा है। जिसके पिछले दरवाजे खुले हुए थे और कुछ संदिग्ध काली वस्तुएं नजर आ रही थी। शुरुआती तौर पर इन पांचों को विस्फोटक अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। लेकिन जांच आगे बढ़ते ही इन पर आतंकवादी साजिश की तैयारी के शक में कानूनी शिकंजा कस दिया गया है।

सवाल उठता है कि यह पांच संदिग्ध कौन हैं?

ब्रिटिश काउंटर टेररिज्म पुलिस ने सुरक्षा और जांच की संवेदनशीलता को देखते हुए अभी तक इन संदिग्धों के नाम, पहचान या राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया है। पुलिस का कहना है कि सबूत जुटाए जा रहे हैं और फिलहाल किसी भी तरह की अटकलों से बचना चाहिए। 1245 ंउ एरिया एक्सप्लोसिव देन 400 प्लेस आर्मी एक्सप्लोसिव डिस्पोजिन अराउंड 85 हाउस बीन टूक एग्जामिनेशन प्लेस नियर बाय लेजर सेंटर हैज़ बीन ओपन नेचर दिस कम्युनिकेशन पार्टनर्सली नेशनलली परिकुलर वी आर वर्किंग क्लोजली पार्टनर्स लेकिन इस मामले में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब वाशिंगटन से अमेरिकी राष्ट्रपति डोन डोनाल्ड ट्रंप का सीधा बयान सामने आया। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिकी और ब्रिटिश खुफिया एजेंसियां मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दे रही थी। इन संदिग्धों पर अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की लंबे समय से नजर थी। यह लोग एयरबेस या अमेरिकी हितों को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाने की फिराक में थे। ट्रंप के इस बयान ने साफ कर दिया कि यह कोई सामान्य घुसपैठ या स्थानीय अपराध नहीं बल्कि एक सुनियोजित अंतरराष्ट्रीय साजिश हो सकती है।

कैसे खुलेगा होर्मज? ईरान ने कही सीधी बात, ट्रंप ने किया ना, अब आईआरजीसी ने दिखाए अपने तेवर

ईरान और अमेरिका में चल रहे तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। शांति योजना पर बात नहीं बनने के बीच ईरानी सेना के प्रवक्ता मोहम्मद अकरामनिया ने कहा कि देश किसी भी टकराव के लिए पूरी तरह से तैयार है और जरूरत पड़ी तो अमेरिका को पहले से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाया जाएगा। ईरानी सेना का यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होमस को दोबारा खोलने वाले 7 दिन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एक प्रस्ताव दिया था लेकिन मैंने उसे ठुकरा दिया है। ट्रंप की इन बातों के बावजूद ईरान के विदेश मंत्री

अब्बास अराची ने कहा कि तेहरान क़तर और पाकिस्तान के जरिए अमेरिका के पक्के जवाब का इंतजार कर रहा है। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार अराची ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कुछ अच्छी बातें भी कही हैं और कुछ उल्टी सीधी बातें भी जो दुर्भाग्य से हम उनसे अक्सर सुनते हैं। उन्होंने बातचीत से समाधान निकालने की अपील की और कहा कि हम इस अहम समुद्री जलमार्ग की रुकावट सिर्फ बातचीत से ही सुलझा सकते हैं। ब्लूमबर्ग ने मामले से जुड़े एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि अमेरिका और ईरान एक समझौते पर विचार कर रहे थे। इसके तहत तेहरान होमस खोल देता और वाशिंगटन ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी हटा देता। यह समझौता जून के बीच हुए उस समझौते जैसा होता जिसके बाद दोनों तरफ नाजुक सीजफायर हुआ था। लेकिन वो सीज फायर जल्दी टूट गया। इसी बीच शनिवार को यमन के हुती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर हमला किया। कुती विद्रोही ईरान समर्थित समूह माना जाता है। इस हमले को मध्यपुर में अमेरिका के सहयोगियों के खिलाफ ईरान की दुश्मनी बढ़ने का संकेत माना जा रहा है। इससे पहले वॉल स्ट्रीट जनरल ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि ट्रंप उम्मीद कर रहे हैं कि नवंबर की शुरुआत में अमेरिकी मध्यावदी चुनावों के बाद वे ईरान के खिलाफ बमबारी अभियान फिर से शुरू कर देंगे। उन्हें शक है कि तेहरान उनकी मांगे पूरी करेगा जब ट्रंप से सीधा पूछा गया कि क्या वे चुनाव के बाद बमबारी फिर से शुरू करेंगे? तो उन्होंने जवाब देने से इंकार कर दिया। वहीं पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में ईरान के राष्ट्रपति मसूद प्रजियान ने साफ किया कि जब तक अमेरिका की प्रतिबंध और नाकेबंदी लागू रहेगी तब तक तेहरान होमस स्टेट से जहाजों की आवाजाही आजाद नहीं करेगा यानी कि होमोज स्टेट कोप नहीं खोलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान आर्थिक मकसद से परमाणु तकनीकें विकसित करने का अपना अधिकार नहीं छोड़ेगा। कुल मिलाकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अब देखना यह होगा कि दोनों पक्ष आगे क्या कदम उठाएंगे। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से सऊदी अरब ने खाली क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गंभीर कदम उठाने की अपील की है। 26 सितंबर को न्यूयॉर्क में यूएनजीए के 81वें सत्र को संबोधित करते हुए सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने कहा कि दुनिया इस समय अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने सऊदी अरब और क्षेत्र के खिलाफ ईरानी हमलों की निंदा करते हुए कहा कि खाली की सुरक्षा केवल क्षेत्रीय मुद्दा नहीं बल्कि पूरी दुनिया की ऊर्जा और व्यापार व्यवस्था से जुड़ा मामला है। सऊदी विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय में आया जब मिडिल ईस्ट में तनाव का असर खाली से लेकर लाल सागर और बाब अलमदेव तक दिखाई दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने 20 सितंबर में यमन के पश्चिमी तट पर लड़ाई तेज होने और हूतियों के बाल अलमदेव की ओर बढ़ने की रिपोर्ट दी थी।

गाजा में IDF और ISA का बड़ा ऑपरेशन, PMO ने की हमास फाइनेंस चीफ अलवान के खात्मे की पुष्टि

अल जज़ीरा ने स्थानीय मेडिकल सूत्रों के हवाले से बताया कि रविवार सुबह से गाज़ा पट्टी में इज़राइली हमलों में कम से कम चार फ़िलिस्तीनी मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए। ताज़ा मौत की पुष्टि करते हुए, एम्बुलेंस और इमरजेंसी सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि गाज़ा शहर के उत्तर में स्थित तवाम इलाके में इज़राइली सेना ने कम से कम एक फ़िलिस्तीनी की गोली मारकर हत्या कर दी। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी गाज़ा में नासेर अस्पताल ने पुष्टि की कि खान यूनिस के बीच में इज़राइली गोलीबारी में घायल हुए एक और फ़िलिस्तीनी

की मौत हो गई। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले एक अलग घटना में, गाज़ा शहर के पश्चिमी हिस्से में एक गाड़ी पर ड्रोन से हमला किया गया, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, दक्षिणी गाज़ा के अल–मवासी इलाके में एक अस्थायी टेंट पर ड्रोन हमले में एक और व्यक्ति मारा गया। 23 सितंबर को, इज़राइली सेना ने दक्षिणी गाज़ा शहर खान यूनिस में एक टारगेटेड ऑपरेशन के दौरान हमास के फाइनेंस डिपार्टमेंट के प्रमुख मुहम्मद अबू अलवान को मार गिराया। च्डव की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने कहा कि यह टारगेटेड स्ट्राइक इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (प्क्थ्) और इज़राइली सुरक्षा एजेंसी (ैप्।) के संयुक्त प्रयास से की गई थी। बयान में कहा गया कुछ समय पहले खान यूनिस में प्क्थ् ने हमास आतंकवादी संगठन के फाइनेंस डिपार्टमेंट के प्रमुख मुहम्मद अबू अलवान को खत्म कर दिया।

इसमें आगे कहा गया है कि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री इस सटीक ऑपरेशन और हमारे दुश्मनों को नाकाम करने के लिए की गई आक्रामक कार्रवाई के लिए प्क्थ् और ैप्। की सराहना करते हैं।ष् इज़राइली नेतृत्व ने ज़ोर देकर कहा कि समूह के नेतृत्व और वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ ऑपरेशन तब तक बिना रुके जारी रहेंगे जब तक हमास षाज़ा में पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता।ष् नेतन्याहू और काट्ज़ ने चेतावनी दी, ष्हम हमास के कमांडरों और ऑपरेटिव्स को ढूंढकर खत्म करना, उसके फंडिंग के स्रोतों को निशाना बनाना और उसके आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करना जारी रखेंगे।

ट्रंप ने चिनफिंग से पूछा था क्या चीन खरीदेगा अमेरिकी हथियार, यूएस राजदूत का बयान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान को हथियारों की लंबित बिक्री को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने यह कहकर उचित ठहराया कि वाशिंगटन दुनिया भर में ऐसे कई सौदे करता है तथा ट्रंप ने उनसे यहां तक पूछ लिया कि क्या वह भी अमेरिकी हथियार खरीदना चाहेंगे।

चीन में अमेरिका के राजदूत

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।